राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 30 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–272 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उज्जैन में बाबा महाकाल को अर्पित किया अमेरिकन डायमंड का मुकुट

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में तड़के चार बजे भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा महाकाल का दिव्य श्रृंगार किया गया। शनिवार की भस्म आरती की खास बात यह रही कि बाबा महाकाल को अमेरिकन डायमंड का मुकुट भी अर्पित किया गया।

तड़के सबसे पहले पट खोलने के पश्चात बाबा महाकाल को गर्म जल से स्नान करवाया गया। मंत्रों के उच्चारण के साथ नंदी जी और गर्भगृह में विराजित माता पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय को भी स्नान कराने के बाद अभिषेक किया गया। भांग, सूखे मेवे, चंदन से श्री महाकालेश्वर का दिव्य रूप में श्रृंगार किया गया। मस्तक पर ? , तिलक और सिर पर शेषनाग का रजत मुकुट धारण कर रजत की मुंडमाला और रजत जड़ी रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला अर्पित की गई। इसके उपरांत भगवान महाकाल को अमेरिकन डायमंड का चमकता हुआ मुकुट भी अर्पित किया गया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई।

तेलंगाना में राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का चौथा दिन, अभिनेत्री पूनम कौर भी हुई शामिल

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार को तेलंगाना के महबूबनगर कस्बे के धर्मपुर से फिर से शुरू हुई और इसके 20 किलोमीटर की दूरी तय करने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य में यात्रा का यह चौथा दिन है।

हैदराबाद। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार को तेलंगाना के महबूबनगर कस्बे के धर्मपुर से फिर से शुरू हुई और इसके 20 किलोमीटर की दूरी तय करने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य में यात्रा का यह चौथा दिन है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राहुल शनिवार की यात्रा की समाप्ति से पहले शाम को जडचेरला एक्स रोड जंक्शन पर एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, यात्रा सुबह साढ़े छह बजे शुरू हुई और राहुल के साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि अभिनेत्री पूनम कौर और उस्मानिया विश्वविद्यालय के कई छात्र भी राहुल के साथ पदयात्रा में शामिल हुए।

सूत्रों के मुताबिक, यात्रा सुबह साढ़े छह बजे शुरू हुई और राहुल के साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि अभिनेत्री पूनम कौर और उस्मानिया विश्वविद्यालय के कई छात्र भी राहुल के साथ पदयात्रा में शामिल हुए।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को महबूबनगर में रात्रि विश्राम से पहले 'भारत जोड़ो यात्रा' ने दिनभर में 23.3 किलोमीटर की दूरी तय की थी। यात्रा तेलंगाना के नौ लोकसभा और 19 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए कुल 375 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसके बाद सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी। चार नवंबर को यात्रा एक दिन का विराम लेगी।

'भारत जोड़ो यात्रा% के दौरान राहुल खेल, व्यवसाय और मनोरंजन क्षेत्र की हस्तियों के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के बुद्धिजीवियों और नेताओं से मुलाकात करेंगे। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने कहा कि राहुल पूरे तेलंगाना में प्रार्थना स्थल, मस्जिद और मंदिर जाकर वहां पूजा-अर्चना भी करेंगे। 'भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। यात्रा का तेलंगाना चरण आरंभ करने से पहले राहुल ने केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पदयात्रा की थी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस ने यात्रा के समन्वय के लिए 10 विशेष समितियों का गठन किया है।

जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर दिल्ली-एनसीआर के लोग, 309 पर पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार खराब होता जा रहा है। जहरीली हवा में लोगों को सांस लेने में मुश्किलें आ रही हैं। धुंध की वजह से विजिबिलिटी भी कम हो गई है। शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 309 (बहुत खराब) दर्ज किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में एक्यूआई 355, मथुरा रोड पर 340 जबकि नोएडा में 392 दर्ज किया गया। गुरुवार शाम को जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 354 दर्ज हुआ था तो वहीं शुक्रवार शाम को यह 367 पर पहुंच गया।

सात इलाकों की हवा हुई जहरीली

दिल्ली के सात इलाकों में शुक्रवार को हवा गंभीर श्रेणी में रही। उत्तर-पश्चिम की तरफ जल रही पराली से लगातार दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। अगले तीन दिनों तक प्रदूषण खराब श्रेणी में बने रहने की आशंका सफर द्वारा जताई गई है। दिल्ली में शुक्रवार को सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में रहा। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली का आनंद विहार, वजीरपुर, विवेक विहार, शादीपुर, बवाना, जहांगीरपुरी और नरेला इलाका शुक्रवार को सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा। इन जगहों पर प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। सफर ने राजधानी दिल्ली में अगले तीन दिनों तक हवा बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना जताई है।

गाजियाबाद

गाजियाबाद शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में 384 अंक रहा।

नोएडा

नोएडा 371 वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ शुक्रवार को देशभर के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दूसरे स्थान पर रहा। ग्रेटर नोएडा चौथे स्थान पर रहा।

हवा संग आ रहा धुआं-सफर के मुताबिक दिल्ली में पंजाब एवं हरियाणा की तरफ से लगातार पराली का धुआं हवा के साथ आ रहा है। इसकी वजह से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है।

नौकरी देने में भारत का रक्षा विभाग अव्वल, अमेरिका और चीन जैसे देश भी छूटे पीछे

नई दिल्ली। भारत में रोजगार और खासकर सरकारी नौकरी पर अक्सर जोरदार बहस होती है। लगभग सभी सरकारें विपक्ष के निशाने पर रही हैं। हालांकि, कुछ ऐसे भी तथ्य हैं जो अलग कहानी बयां कर रही है। स्टेटिस्टा की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का रक्षा मंत्रालय 29.2 लाख लोगों के नौकरी देने के साथ दुनिया का सबसे बड़ा नियोक्ता है। इनमें तीनों सेना के सभी विभाग की नौकरी को शामिल किया गया है।

स्टेटिस्टा इन्फोग्राफिक के अनुसार, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के बाद अमेरिकी रक्षा विभाग का नंबर आता है। यहां 29.1 लाख लोगों को रोजगार दिया जाता है। आपको बता दें कि

स्टेटिस्टा जर्मनी स्थित एक निजी संगठन है जो दुनिया भर में विभिन्न मुद्दों के बारे में डेटा और आंकड़े प्रदान करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है, दुनिया के सबसे बड़े नियोक्ताओं के लिए की गई रैंकिंग में भारत का रक्षा मंत्रालय शीर्ष पर है। यहां कुल कर्मचारियों की संख्या 29.2 लाख है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग का नंबर आता है। तीसरे स्थान पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी है। यहां 25 लाख लोगों को नौकरी दी जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों की बात करें तो दुनिया में सबसे अधिक कर्मचारी वॉलमार्ट के पास हैं। स्टेटिस्टा ने कहा, अमेरिकी कंपनी ने 23 लाख लोगों को दी है। अमेजॉन के पास 16 लाख कर्मचारी है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार 2021 में संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, भारत, यूनाइटेड किंगडम और रूस ये पांच बड़े देश हैं जिन्होंने मिलकर 62 प्रतिशत राशि खर्च की है। 2021 में अमेरिका का सैन्य खर्च 801 अरब अमरीकी डॉलर था। वहीं, चीन ने अपनी सेना के लिए 293 अरब डॉलर आवंटित कि। भारत का 76.6 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर है।

इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट में उठी चिंगारी, दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंगडु

नई दिल्ली। दिल्ली से शुक्रवार को बेंगलुरू के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहे इंडिगो के एक विमान के एक इंजन में आग लग गई। इस कारण से दिल्ली हवाई अड्डे पर आपातकाल स्थिति घोषित कर दी गई थी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बेंगलुरु जाने वाला ए320 विमान, बाद में पार्किंग स्थल पर लौट आया और उसमें सवार 180 लोगों को सुरक्षित उतार लिया गया। ट्विटर पर एक वीडियो में हवाई अड्डे पर उड़ान भरने की तैयारी कर रहे विमान के एक इंजन से चिंगारी उड़ती दिखाई दे रही है। उक्त

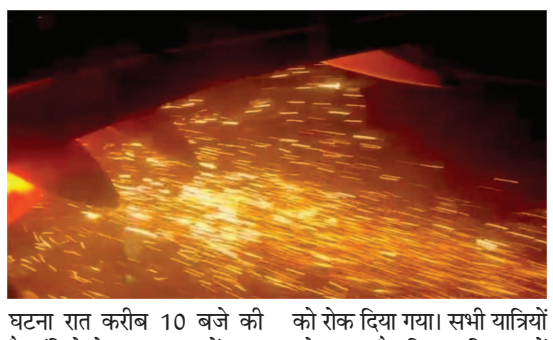

घटना रात करीब 10 बजे की है। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि दिल्ली से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने वाले विमान 6ई2131 को उड़ान से पूर्व एक इंजन में चिंगारी का अनुभव हुआ। बयान में कहा गया, उड़ान को रोक दिया गया। सभी यात्रियों को एक वैकल्पिक विमान में बिठाया जा रहा है। विमान में 177 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। उन्होंने बताया कि बाद में यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

केरल के कोट्टायम में मिला अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का मामला, 48 सुअर को मारा; मांस पर प्रतिबंध

कोट्टायम। केरल के कोट्टायम जिले के निजी पिग फार्म में अफ्रीकी स्वाइन फीवर का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, बीते दिनों दो-तीन में 6-7 पिग की मृत्यु हुई है। महामारी वैज्ञानिक राहुल एस ने बताया कोट्टायम जिले में इसका पहला मामला 13 अक्टूबर को आया था। जिसके बाद अगले 2-3 दिनों में फार्म में 6-7 पिग की मृत्यु हुई है। उन्होंने बताया कि हमने सैंपल को जांच के लिए भेजा है, जहां इस वायरस की पुष्टि हुई है।

किसान के पास मौजूद थे कुल 67 पिग-महामारी वैज्ञानिक राहुल के अनुसार, फार्म में किसान के पास कुल 67 मौजूद पिग थे, जिसमें से 19 पहले ही मर चुके थे और 48 पिग को हमने मारा है। इस क्षेत्र में जानवरों के परिवहन और बिक्री, जानवरों

के मांस की बिक्री और जानवरों को ले जाने वाले वाहनों पर सख्त प्रतिबंध लगाय है।

अफ्रीकी स्वाइन फ्लू

वहीं, केरल के कोट्टायम जिले के एक सुअर फार्म में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू के मामले की पुष्टि के बाद अधिकारियों ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने पोर्क बेचने वाली मांस की दुकानों को बंद कर दिया। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि संक्रमित क्षेत्र से कोई सुअर नहीं ले जाया जाए।

20 हजार पक्षियों को मारने का दिया निर्देश-इससे पहले केरल में एवियन फ्लू के चलते 20 हजार से ज्यादा पक्षियों को मारने के लिए बड़े स्तर पर अभियान शुरु किया गया है। जानकारी के अनुसार, बतखों में एवियन फ्लू की पुष्टि हुई थी। जिसके बाद केरल में पक्षियों को मारने के लिए निर्देश दिए गए। इस फ्लू की पुष्टि होने के बाद अलाप्पुझा जिले में हजारों पक्षियों को मारा जा रहा है।

क्या है अफ्रीकी स्वाइन फीवर?

अफ्रीकी स्वाइन फ्लू एक वायरल बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर 100 प्रतिशत तक हो सकती है। वायरल का प्रकोप घरेलू और जंगली सूअरों दोनों को प्रभावित करता है। हालांकि, इस वायरल का असर मनुष्यों पर नहीं होता है। लेकिन यह शारीरिक संपर्क के माध्यम से एक सुअर से दूसरे सुअर में पहुंच जाता है।

पंजाब में इस बड़े सिख चेहरे पर दांव खेलने की तैयारी में भाजपा

सिरसा दिल्ली के बड़े सिख चेहरे हैं। अकाली दल को अलविदा करने के बाद जब से उन्होंने भाजपा ज्वाइन की है, वे लगातार भाजपा के लिए जबरदस्त राजनीतिक बल्लेबाजी कर रहे हैं।

पटियाला। नॉर्थ-ईस्ट व दक्षिण राज्यों में भी पैर पसार चुकी भाजपा ने अब पंजाब पर भी फोकस करना शुरू कर दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव व 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पंजाब में भाजपा मनजिंद्र सिंह सिरसा को आगे कर चुनावी मैदान फतेह करने की तैयारी कर रही है। भाजपा के दिल्ली के उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक पार्टी पंजाब भाजपा का नया प्रधान सिख नेता मनजिन्द्र सिंह सिरसा को बनाने का मन बना चुकी है।

सिरसा दिल्ली के बड़े सिख चेहरे हैं। अकाली दल को अलविदा करने के बाद जब से उन्होंने भाजपा ज्वाइन की है, वे लगातार भाजपा के लिए जबरदस्त राजनीतिक बल्लेबाजी कर रहे हैं। पंजाब में दर्जनों बड़े सिख नेताओं को वे भाजपा ज्वाइन करवा चुके हैं। इसके अलावा मीडिया में बेबाकी से भाजपा के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। किसानी, सिख व पंजाब के मसलों पर वे लगातार भाजपा का मजबूती से पक्ष रखते आ रहे हैं। वे तथ्यों सहित लोगों को यह बताते हैं कि भाजपा ही पंजाब व सिखों की सभी समस्याओं का हल कर रही है और भविष्य में कर सकती

है। जिस तरह से वह भाजपा के लिए बल्लेबाजी कर रहे हैं, उतनी तो आज तक पंजाब के भाजपा नेता भी नहीं कर सके।

सिरसा की पंजाबी बोली बेहद शुद्ध है जबकि पंजाब के ज्यादातर भाजपा नेताओं की पंजाबी में हिंदी मिक्स हो जाती है जिसके कारण पंजाबियों पर उनका प्रभाव नहीं पड़ता। किसान आंदोलन के समय सिरसा ने डटकर किसानों के हक में आवाज बुलंद की थी और किसानों के लिए लंगर व अन्य सुविधाओं का प्रबंध किया। उस समय वह डटकर भाजपा का विरोध करते रहे, जिसके कारण किसानों में काफी लोकप्रिय हो गए थे। सिरसा जहां जट सिख हैं वहीं उनकी पूर्ण सिख वाली वेशभूषा सभी को प्रभावित करती है। भाजपा पंजाब की राजनीति के लिए मनजिन्द्र सिंह सिरसा को हर तरह से फिट मान रही है। सिखों में अकाली दल का ग्राफ लगातार गिरता जा रहा है, जिसका राजनीतिक लाभ सिरसा के रूप में भाजपा उठाना चाहती है। सिरसा के माध्यम से ही भाजपा सिखों के कई अहम मसले हल करने का प्लान भी बना रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अब यह स्पष्ट हो गया है कि रूस और ब्रिटेन, दोनों ही भारत की नीति से संतुष्ट हैं और उनके संबंध भारत से दिनोंदिन घनिष्ट होते चले जाएंगे। पहले हम रूस को लें। भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले का कभी दबी जुबान से समर्थन नहीं किया लेकिन उसे अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों की तरह रूस के विरुद्ध आग भी नहीं बरसाई।

विदेश नीति की दो उपलब्धियाँ

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भारतीय विदेश नीति की कल दो उपलब्धियों ने मेरा ध्यान बरबस खींचा। एक तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन द्वारा भारत की सराहना और दूसरी भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हुई बातचीत! इन मुद्दों पर यह शक बना हुआ था कि भारत की नीति से इन दोनों राष्ट्रों को कुछ न कुछ एतराज जरुर है लेकिन वे संकोचवश खुलकर बोल नहीं रहे थे। अब यह स्पष्ट हो गया है कि रूस और ब्रिटेन, दोनों ही भारत की नीति से संतुष्ट हैं और उनके संबंध भारत से दिनोंदिन घनिष्ट होते चले जाएंगे। पहले हम रूस को लें। भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले का कभी दबी जुबान से समर्थन नहीं किया लेकिन उसे अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों की तरह रूस के विरुद्ध आग भी नहीं बरसाई। उसने यूक्रेन से अपने हजारों नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला, उसे टनों अनाज भेंट किया और कुछ प्रस्तावों पर संयुक्तराष्ट्र संघ में उसका साथ भी दिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शांघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में साफ़-साफ़ कह दिया कि यह वक़्त युद्ध का नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए। शायद इसी का असर था कि पूतिन ने परमाणु-युद्ध की आशंका से त्रस्त सारे विश्व को आश्वस्त किया कि उनका इरादा परमाणु बम चलाने का बिल्कुल नहीं है। अब उन्होंने मास्को के एक 'थिंक टैंक' में भाषण देते हुए न केवल मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा की बल्कि कहा कि इस संकट के दौरान भारत के साथ रूस का कृषि व्यापार दुगुना हो गया, उर्वरक निर्यात 7-8 गुना बढ़ गया और आपसी व्यापार 13 अरब से कूदकर 18 अरब डॉलर का हो गया। रूसी तैल ने भारत की जरूरत पूरी कर दी। पूतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की जमकर तारीफ की है। यह तब है जबकि भारत अमेरिका के साथ कई मोर्चों पर पूरी तरह सहयोग कर रहा है। चीन को इससे काफी जलन हो रही है लेकिन भारत के बारे में रूस का मूल्यांकन सही है। इसी तरह ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने के पूरे आसार दिखाई पड़ने लगे हैं। ऋषि सुनाक ने प्रधानमंत्री बनते ही अपने विदेश मंत्री को सबसे पहले भारत भेजा है। मोदी और सुनाक की बातचीत से मुक्त व्यापार का रास्ता काफी साफ हुआ है। लंदन में यह डर बताया जा रहा था कि उक्त समझौता यदि हो गया तो ब्रिटेन में भारतीयों की भरमार हो जाएगी और वे ब्रिटिश बाजारों पर कब्जा कर लेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन चाहता है कि उसकी मोटर साइकिलों, शराब, केमिकल्स और अन्य कई चीज़ों पर भारत ज़्यादा टैक्स-ड्यूटी न लगाए। ऐसे ही भारत भी अपने कृषि-पदार्थों, कपड़ों और चमड़े आदि के समान पर ड्यूटी घटवाना चाहता है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में यदि उक्त समझौता हो गया तो अन्य कई यूरोपीय देशों के दरवाज़े भी भारतीय माल के लिए खुल जाएंगे।

(डॉ. वैदिक भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

सूक्ति

जिन्दगी हमारे साथ खेल खेलती है, जो इसे खेल नहीं मानते, वे ही एक दूसरे की शिकायत व आलोचना करते हैं। - जैनेंद्र कुमार

प्रयत्न देवता की तरह है जबकि भाग्य दैत्य की भांति, ऐसे में प्रयत्न देवता की उपासना करना ही श्रेष्ठ काम है। - गुरु रामदास

लॉफिंग ज़ोन

टूरिस्ट(किश्ती वाले से), 'मैं इस नदी में नहाना चाहता हूं. इसमें बड़ी मछलियां तो नहीं हैं?' किश्ती वाला, 'नहीं साहब ! आप बेफिक्र होकर नहाएं. इस नदी में जितनी भी छोटी-बड़ी मछलियां थीं उनको मगरमच्छ कब का खा कर खत्म कर चुके हैं.'

☺ ☺ ☺

कंजूस सेठ जी ने नया नौकर रखा और उसे काम समझाया, 'देखों भई तुम्हारे जिम्मे ये काम होंगे-बाजार जाकर सब्जी लाना, सब्जी और खाना बिछाना, सब्जियों और फूलों के पौधों को पानी देना, रात को मेरी टांगे दबाना आदि.'

नौकर बोला, 'सेठ जी, कोठी के पास कोई खाली जगह है?'

सेठ, 'क्या मतलब?'

नौकर, 'मैं फालतू समय में वहां ईंटें भी बना दिया करूंगा.'

☺ ☺ ☺

जल सेना के रंगरूट की राइफल कहीं खो गई. उससे राइफल की कीमत मांगी गई तो उसने विरोध किया और कहा, 'अगर मुझसे जीप कहीं खो जाती तो क्या मुझे उसकी भी कीमत चुकानी पड़ती?'

उसे बताया गया कि 'उसे उस हर वस्तु की कीमत चुकानी पड़ेगी जिसे वह गुम करेगा.'

यह सुनकर युवक बोला, 'अब समझ में आया कि डूबते हुए जहाज के साथ कप्तान क्यों डूब जाता है.'

जनमानस में स्वतंत्रता आंदोलन का बीजारोपण करने वाले युगदृष्टाः महर्षि दयानंद सरस्वती

लेखक - शिवकुमार शर्मा

(निर्वाण दिवस 30 अक्टूबर)

'नौन के बिना दरिद्र का निर्वाह नहीं, नौन सबको आवश्यक है।वे मेहनत मजदूरी करके जैसे तैसे निर्वाह करते हैं उनके ऊपर भी नौन का कानून दंड तुल्य ही है ।इससे परिजनों को बड़ा क्लेश पहुंचता है, अतः लवण आदि के ऊपर कर नहीं रहना चाहिए ।'

महर्षि दयानंद सरस्वती ने 1857 ई. में सत्यार्थ प्रकाश में जनता की जरूरत, नमक कानून का विरोध करते हुए के लिख कर जनता को अपने अधिकारों के प्रति सजग होने का आवाहन कर दिया था ।आर्य समाज के माध्यम से स्वामी जी ने उन विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जिनके कारण स्वतंत्रता आंदोलन का बीजारोपण जनमानस में संभव हुआ। उन्होंने यह संदेश दिया कि 'परदेसी हमारे देश में व्यापार करेंगे तो दरिद्र और दुख के बिना दूसरा कुछ भी नहीं हो सकता है' वे स्वदेशी आंदोलन के सूत्रधार थे। मेरठ छावनी में उन्होंने युवाओं के कानों में स्वदेशी मंत्र फूंक कर देशभक्तों की श्रृंखला तैयार कर दी थी। झांसी की रानी स्वामी दयानंद सरस्वती से मिलने गईं थीं, स्वामी जी ने उन्हें आशीर्वाद एवं धन दोनों दिए। उन्होंने 300सन्यासियों का एक दल बनाया था जिसने गांव-गांव जाकर लोगों को यह समझाया कि आजादी के लिए संघर्ष कैसे करें। महर्षि जी की जीवनी जो कि स्वामी सच्चिदानंद जी योगी जी ने 1972 में नैनीताल से प्रकाशित कराई, में उल्लेख आया है कि धुन्धूपंत (नाना साहब), बंधु अजीमुल्ला, बाला साहब, तात्याटोपे और जगदीशपुर के जमींदार कुँवर सिंह उनसे मिलने गए तो स्वामी जी ने उनके प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की। स्वामी जी ने कहा 'किसी विदेशी राजा को किसी विदेश पर हुकूमत चलाने का हक नहीं है । भारत असभ्य देश नहीं है, अंग्रेज भारतीयों से अधिक सुसभ्य भी नहीं है। इनके राज को सहन करना महापाप है। रजवाड़ों की अनैक्यता और हमारा आत्म विरोध ही हमारी दुर्दशा का कारण है। उन्होंने इन पांचों लोगों को यह भी कहा कि युद्ध 100 वर्ष तक चल सकता है। हुआ भी यही, 1857 से 1947 तक पूरे 90 वर्ष लगे ।ऐसी सटीक भविष्यवाणी करने वाले भारतीय संत, कहीं कहीं उन्हें बाबा औघड़नाथ भी कहा जाता है, के कालजयी ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में स्वराज, स्वधर्म, स्वसंस्कृति तथा स्वदेश शब्दों का उल्लेख बार -बार किया गया है। 1857 के पश्चात की क्रांति को आगे ले जाने का कार्य स्वामी जी ने ही किया, उनके शिष्य श्यामजी कृष्ण वर्मा, विनायक दामोदर सावरकर, लाला हरदयाल, भाई परमानंद, सेनापति बापट, मदन लाल ढींगरा, राम प्रसाद बिस्मिल, गोपाल कृष्ण गोखलेऔर सरदार भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने स्वामी के विचारों से प्रेरणा पाकर स्वतंत्रता आंदोलन के लिए जीवन होम दिए। स्वामी जी के विचारों से युवक कोतवाल धन सिंह की जवानी मचल जाया करती थी। पंजाब केसरी लाला लाजपत राय प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता थे । नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता माना तो अमेरिका की मदर व्लवट्सकी ने आदि शंकराचार्य के बाद बुराई पर सबसे निर्भीक प्रहारक माना ।वैलेंटाइन शिरोल ने अपनी पुस्तक इंडियन अनरेस्ट में स्वामी जी को 'भारतीय अशांति का जनक' कहा वहीं सरदार पटेल ने कहा था कि भारत की स्वतंत्रता की नींव वास्तव में स्वामी दयानंद जी ने डाली थी।

स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म गुजरात की मोरबी रियासत के ग्राम टंकारा में शिवभक्त औदीच्य ब्राह्मण दंपत्ति कृष्णजी लालजी तथा श्रीमती यशोदा बाई की प्रथम संतान के रूप में 12 फरवरी 1824 ई. को मूल नक्षत्र में हुआ था। इस कारण उनका नाम मूलशंकर रखा गया था। मेधा संपन्न बालक मूलशंकर ने 8 वर्ष की आयु में रघुवंशम्, शिव सहस्त्रनाम, महिम्न स्त्रोत तथा 14 वर्ष की आयु में यजुर्वेद कंठस्थ कर लिया था।मूल शंकर के जीवन में दो घटनाएं घटीं जिन्होंने उन्हें महान दार्शनिक चिंतक, त्यागी, समाज सुधारक, निडर सन्यासी और युग दृष्ट बनाया।पहली घटना थी महाशिवरात्रि को शिव पूजन व शिव दर्शन के संकल्प के साथ शिव विग्रह के पास से चूहे द्वारा उनका प्रसाद उठा ले जाना, जिसके कारण बालक मूल शंकर के मन में उथल-पुथल हुई कि यह कैसे सर्वशक्तिमान भगवान है जो अपने प्रसाद की रखवाली भी नहीं कर पाते। दूसरी घटना उनकी बहन का निधन जो मूल शंकर के सामने दुख की पहली घटना थी इससे न केवल दुखी हुए बल्कि उनके मन - मस्तिष्क को बड़ा झटका लगा। कुछ समय बाद चाचा का देहांत। इस घटना ने उन्हें जन्म और मृत्यु के झंझट में उलझे हुए संसार की मुक्ति का मार्ग और शिव के सत्य रूप के दर्शन करने की जिज्ञासा को जन्म दिया ।वेआजीवन अविवाहित रहे।21 वर्ष की अवस्था में 1846 ई. में घर छोड़ा।सत्य की खोज में बहुत भटके ।स्वामी पूर्णानंद सरस्वती ने उन्हें दयानंद नाम दिया। इसके बाद मथुरा के प्रज्ञा चक्षु स्वामी विरजानंद दंडी को गुरु मानकर वेदाध्ययन किया। स्वामी जी ने 60 से अधिक ग्रंथ लिखे। सत्यार्थ प्रकाश के अतिरिक्त संस्कृत वाक्य प्रबोध, गोकरुणानिधि, आर्योद्देश्य रत्नमाला, ऋग्वेद भाष्य भूमिका, व्यवहार भानु, चतुर्वेद विषयक सूची, ऋग्वेद भाष्य, यजुर्वेद भाष्य, अष्टाध्यायी भाष्य, पंच महायजना विधि, तत्व बोध, श्रीमद् भगवत गीता, तैत्तरीय उपनिषद, द वैल्यू ऑफ वैल्यूज, एक्शन एंड रिएक्शन, वैदिक ब्यू एंड वे ऑफ लाइफ, एक्सप्लेनिंग वेदांत; एंन इंक्रायरी इन टू द सिग्निफिकेंट सेंटेंस, फ्रीडम इन रिलेशनशिप, इनसाइट, फ्रीडम फॉम हेल्पलेसनेस, एन इंट्रोडक्शन टू द कमेंट्री ऑन द वेदाज, क्राइसिस मैनेजमैंट, आदि प्रमुख हैं। स्वामी जी का संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी भाषा पर समान अधिकार था परंतु उन्होंने अपने विवेचन को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए हिंदी को मजबूत माध्यम माना।

स्वामी जी ने हिंदू धर्म में फैली विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां समाप्त कर वेदों के सही ज्ञान के बारे में बताने के उद्देश्य 10 अप्रैल 1875 ई. को आर्य समाज की स्थापना की इसका आदर्श वाक्य ÷कृण्वंतो विश्वमार्यम्÷है। स्वामी जी ने÷वेदों की ओर लौटो÷ का नारा दिया। उनके कार्य ही उनकी शिक्षा थे। उन्होंने अपने सिद्धांतों को कार्य रूप में परिणित किया। जाति व्यवस्था समाप्त कर कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था स्थापित करने पर जोर, दलितोद्धार, महिला शिक्षा, योग एवं प्राणायाम का प्रचार।बाल विवाह, सती प्रथा, पर्दा प्रथा, बहुविवाह, मूर्ति पूजा, पशु बलि, कर्मकांड, ब्राह्मण भोज आदि का विरोध एवं पाखंड खंडन किया।

आर्य समाज के सिद्धांतों में सच्चे ज्ञान को प्राप्त करने(जिसका स्रोत परमात्मा है)हेतु केवल परमात्मा ही पूजने योग्य है।अनुचित कार्य से दूरी, समस्त संसार की भलाई, संसार के जीवों से स्नेह व्यवहार, अज्ञानता का नाश, ज्ञान का प्रसार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, वेदों को पढ़ना, सुनना, सुनाना, सभी की उन्नति, संतुष्टि तथा सत्य भाषण प्रमुख रूप से शामिल हैं। स्वामी जी ने छुआछूत का अंत करने के लिए मुहीम चलाई जिससे भारतीय समाज का बिखराव रुका तथा जो हिंदू इस्लाम और ईसाई धर्म अपना चुके थे उन्हें शुद्धि आंदोलन चलाकर वापस हिंदू धर्म में लिया गया।यह हिंदुस्तान की एकता के लिए तत्समय जरूरी कदम था। सन 1883 ई. में जोधपुर नरेश महाराज यशवंत सिंह के निमंत्रण पर जोधपुर गए।महाराज पर वैश्या के प्रभाव को देखकर उन्हें समझाया तो वे मान गए और वैश्या से संबंध तोड़ दिया। वेश्या ने स्वामी जी से शत्रुता निभाई। दूध में पिसा हुआ कांच मिलाकर स्वामी जी को पिलवा दिया।वे बीमार पड़ गए। बीमारी लाइलाज हो गई। अंततः स्वदेश की उन्नति का अग्रदूत 30 अक्टूबर 1883 को दीपावली के दिन पंचतत्व में विलीन हो गया। उनके द्वारा समाजोद्धार के निमित्त किए गए योगदान से भारत भूमि का कण- कण अभिभूत है।उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना ही युगदृष्ट महर्षि दयानंद सरस्वती को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भारत असभ्य देश नहीं है, अंग्रेज भारतीयों से अधिक सुसभ्य भी नहीं है। इनके राज को सहन करना महापाप है। रजवाड़ों की अनैक्यता और हमारा आत्म विरोध ही हमारी दुर्दशा का कारण है।उन्होंने इन पांचों लोगों को यह भी कहा कि युद्ध 100 वर्ष तक चल सकता है। हुआ भी यही, 1857 से 1947 तक पूरे 90 वर्ष लगे ।ऐसी सटीक भविष्यवाणी करने वाले भारतीय संत, कहीं कहीं उन्हें बाबा औघड़नाथ भी कहा जाता है, के कालजयी ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में स्वराज, स्वधर्म, स्वसंस्कृति तथा स्वदेश शब्दों का उल्लेख बार -बार किया गया है।

जन आस्था का महापर्व है छठ पूजा

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। यह व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है। ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण हिन्दू शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। छठ सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है। पांच दिन तक चलने वाले ये पर्व छठ पूजा तक चलते है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है। हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख- समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं। छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। जिसकी शुरुआत सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था।

इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। लोक आस्था के महापर्व छठ का हिंदू धर्म में अलग महत्व है। यह एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं।

नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

(चिंतन-मनन)

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत् गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है ''यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावित- इसका अर्थ है, '' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आम आदमी के लिए खोले निवेश के दरवाजे गडकरी ने

मुंबई । एनएचएआई का इन्फ्राट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट नान-कन्वर्टिबल डिवेंचर को, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराया। नितिन गडकरी ने 10000 रुपये के न्यूनतम निवेश राशि पर 8.05 फ़ीसदी फिक्स रिटर्न के साथ शेयर बाजार मैं सूचीबद्ध कराया है। शेयर बाजार के माध्यम से डिवेंचर की खरीद बिक्री और उतार-चढ़ाव का फायदा छोटे आम निवेशकों को मिले। निवेश पूंजी सुरक्षित रखने का एक नया मौका शेयर बाजार के माध्यम से आम जनता को देने का काम नितिन गडकरी ने किया है। इस डिवेंचर में न्यूनतम राशि रुपये 10000 या इसी अनुपात में अधिक निवेश किया जा सकता है।समय-समय पर इसको खरीदने और बेचने की सुविधा मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और एनएसई पर उपलब्ध रहेगी। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग के लोग भी अब इस डिवेंचर को खरीदकर वार्षिक न्यूनतम आय का लाभ ले सकेंगे।

यूएस फेड की बैठक से पहले वाल स्ट्रीट में दिखी तेजी

वाशिंगटन । वाल स्ट्रीट पर शुक्रवार को एक बड़े आधार वाली शानदार बढ़त देखने को मिली। अच्छे आर्थिक आंकड़ों और बेहतर अर्निंग आउटलुक ने अगले हफ्ते होने वाली यूएस फेड की पॉलीसी मीट के पहले निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता को बढ़ा दिया है। शुक्रवार को सभी बड़े अमेरिकी इंडेक्स 2.5 फीसदी या इससे ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी और नेस्डेक में लगातार दूसरे हफ्ते बढ़त देखने को मिली। वहीं, ब्लूचिप डॉओ में लगातार चौथे हफ्ते तेजी देखने को मिली थी। इस शुक्रवार को डॉओ में मई के बाद की सबसे बड़ी सप्ताहिक बढ़त देखने को मिली। कार्सन ग्रुप के एक अे धिकारी का कहना है कि अक्टूबर का महीना डॉओ के लिए अब तक का सबसे बेहतर महीना रहा है। इससे ये संकेत मिलता है कि बीयर मार्केट अब अपने अंत के कगार पर है। उन्होंने आगे कहा कि आमतौर पर बीयर मार्केट के अंतिम दौर में बाजार में एक बड़ी मासिक तेजी देखने को मिलती है। ये 28 अक्टूबर की शुक्रवार लगातार दूसरा ऐसा शुक्रवार था जिसमें हमें काफी एग्रेसिव खरीदारी देखने को मिली। ये इस बात का संकेत है कि निवेशक अपनी पोजीशन बनाए रखने को लिए ज्यादा अनुकूल रुख अपना रहे हैं। शुक्रवार के कारोबार में एप्पल इंक में आई 7 फीसदी की तेजी ने अमेजानडॉटकॉम में आई 6.8 फीसदी की गिरावट की भरपाई कर दी। शुक्रवार के कारोबार में डाओ जोंस 828.52 अंक की बढ़त के साथ 32,861.8 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं एसएंडएएमपी ;पी 500 इंडेक्स 93.76 अंक की बढ़त के साथ 3901.06 के स्तर पर बंद हुआ था। जबकि नैस्डैक कंपोजिट 309.78 अंक की बढ़त के साथ 11102.45 के स्तर पर बंद हुआ।

एनटीपीसी का एकीकृत लाभ 7 प्रतिशत घटकर 3,418 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में खर्च बढ़ने से एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत से अधिक घटकर 3,417.67 करोड़ रुपए रह गया। एनटीपीसी ने शनिवार को बीएसई को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 3,690.95 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने बताया कि जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 44,681.50 करोड़ रुपए हो गई जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 33,095.67 करोड़ रुपए रही थी। इस तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 40,000.99 करोड़ रुपए हो गया जबकि पिछले साल की समान तिमाही में उसका खर्च 28,949.53 करोड़ रुपए था। इस साल अप्रैल-सितंबर की अवधि में कंपनी का औसत बिजली शुल्क 4.77 रुपए प्रति यूनिट रहा जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 3.86 रुपए प्रति यूनिट था।

समूह की संस्थाओं को ऋण देने से रिलायंस कैपिटल पर 1,755 करोड़ रुपए का बोझ पड़ा

नई दिल्ली:

कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल द्वारा समूह की विभिन्न इकाइयों को वित्त वर्ष 2019-20 में दिए गए कर्ज से कंपनी पर 1,755 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय बोझ पड़ा है। दिवाला प्रक्रिया का सामना कर रही रिलायंस कैपिटल के प्रशासक को सौंपी गई लेनदेन ऑडिटर की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत नियुक्त रिलायंस कैपिटल के प्रशासक ने कंपनी के लेनदेन से संबंधित मामलों की जांच करने के लिए लेनदेन ऑडिटर बीडीओ इंडिया एलएलपी से सहायता ली है। रिलायंस कैपिटल ने शुक्रवार को दायर कई नियामकीय सूचना में कहा कि लेनदेन ऑडिटर की टिप्पणियों के आधार पर प्रशासक ने 22 अक्टूबर को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के समक्ष कुल सात कंपनियों को भुगतान के संबंध में आवेदन दायर किया है।

सेबी ने कुछ संस्थाओं और व्यक्तियों पर निवेश परामर्श देने पर रोक लगाई

नई दिल्ली । पूंजी बाजार के नियामक सेबी ने कुछ संस्थाओं और व्यक्तियों को स्वीकृति के बगैर निवेश परामर्श सेवाएं देने के लिए प्रतिभूति बाजारों से दो साल के लिए प्रतिबंधित किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कैपिटल निवेश रिसर्च, ब्राइट मनी सॉल्यूशंस, नरेश निमावत और अश्विन डोरिया पर दो साल के लिए प्रतिभूति बाजार में काम करने पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई सेबी द्वारा पारित दिसंबर 2020 के एकपक्षीय अंतरिम आदेश के बाद आया हैं, जिसमें संस्थाओं के खिलाफ और उन्हें निवेश सलाहकार के रूप में कार्य करने से रोकने के लिए निर्देशित किया गया था, और अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित किया गया था। सेबी ने जांच में पाया कि कंपनियां निवेश सलाहकार के रूप में प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना अनधिकृत निवेश सलाहकार सेवाओं में लगी हुई थीं जो आईए (निवेश सलाहकार) नियमों का उल्लंघन करता है। नोटिस के अनुसार, कंपनियों द्वारा अप्रैल 2019 से दिसंबर 2020 के दौरान जुटाई गई राशि 95.30 लाख रुपये थी। एक अन्य आदेश में, सेबी ने शोभा लिमिटेड के शेयरों में अंदरूनी व्यापार मानदंडों के उल्लंघन के लिए एक व्यक्ति पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

दामों को नियंत्रित रखने सरकार ने चीनी निर्यात पर लगी रोक एक साल के लिए और बढ़ाई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए घरेलू बाजार में चीनी के दामों पर लगाम कसने के उद्देश्य से चीनी के निर्यात पर लगी रोक को सीधे एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इस साल मई में चीनी के निर्यात पर रोक लगाया गया था, जो 31 अक्टूबर, 2022 तक लागू था। शुक्रवार को आए एक सर्कुलर में इस सीमा को 31 अक्टूबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया है यानी भारत, जोकि दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश बन चुका है, वो अगले एक साल में कुछ अपवादों को छोड़कर चीनी का निर्यात नहीं करेगा। सर्कुलर के मुताबिक, यह आदेश 31 अक्टूबर, 2023 या अगले आदेश तक, जो भी पहले आए, तक लागू रहेगा। निर्यात का यह प्रतिबंध कच्ची चीनी, रिफाइंड चीनी और सफेद चीनी पर लगाया गया है। 24 मई, 2022 को सबसे पहले यह प्रतिबंध लागू किया गया था। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से जारी किए गए इस सर्कुलर में बताया गया है कि यह प्रतिबंध सीएक्सएल और टीआरक्यू (टेरिफ रेट कोटा) के तहत ईयू और यूएस में भेजी जा रही चीनी पर लागू नहीं होगा। इसी महीने सरकार ने कहा था कि भारतीय निर्यातक 31 दिसंबर तक टीआरक्यू के तहत अमेरिका को चीनी निर्यात कर सकेंगे। निर्यातक अब इस साल दिसंबर अंत तक अमेरिका को तय मात्रा में कच्ची चीनी का निर्यात कर सकेंगे। बता दें कि भारत का चीनी निर्यात सितंबर में समाप्त विपणन वर्ष 2021-22 के दौरान 57 प्रतिशत बढ़कर 109.8 लाख टन हो गया है। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है।

सैकड़ों रेस्टोरेंट ने स्विगी को डीलिस्ट किया, ग्राहक नहीं ले पाएंगे छूट

नई दिल्ली ।

खान-पान सप्लाई चेन स्विगी और जोमैटो के बीच लॉगआउट की लड़ाई डाइन-इन पर आ गई है। सैकड़ों ए-लिस्ट रेस्टोरेंट्स ने बीते दिनों खुद को स्विगी डाइनआउट से बाहर कर लिया। रेस्टोरेंट्स उद्योग के सूत्रों के अनुसार लगभग 900 डाइनिंग आउटलेट ने स्विगी से खुद को डीलिस्ट करने का नोटिस भेज दिया है। स्विगी डाइनआउट से हटाए गए रेस्टोरेंट में हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में काम कर रहे कुछ अन्य संस्थान जैसे इंडिगो हॉस्पिटैलिटी, इम्प्रेसारियो एंटरटेनमेंट एंड हॉस्पिटैलिटी और सिमरिंग फूड्स एंड रेस्टोरेंट्स हैं। इनमें स्मोक हाउस डेली और मामागोटो, वाउ मोमोज और चायोस जैसे ब्रांड शामिल हैं।

स्विगी डाइनआउट से डीलिस्टिंग हुए रेस्टोरेंट ने बाहर होने की वजह ये बताई है कि इस प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए कस्टमर्स को मिलने वाले डिस्काउंट रेस्टोरेंट बिजनेस को काफी नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि डाइनआउट ऐप पर स्विगी कस्टमर्स को भारी भरकम डिस्काउंट ऑफर कर रहा है। इससे रेस्त्रां का डाइन-इन बिजनेस पूरी तरह बिगड़ जाएगा।रेस्टोरेंट की शिकायत है कि जब कोई ग्राहक डाइनआउट या ज़ोमैटो पे जैसे ऐप बुकिंग के लिए रेस्टोरेंट से भारी भरकम कमिशन ले रही थी और कस्टमर्स को खाने और बेवरेजेज पर मोटा डिस्काउंट ऑफर कर रही थी, जो रेस्टोरेंट के बिजनेस के लिए घाटे का सौदा था। हालांकि स्विगी प्रवक्ता ने कहा कि स्विगी डाइनआउट पर मौजूद रेस्टोरेंट पार्टनर्स को पूरी छूट होती है कि वे अपने डिस्काउंट खुद तय करें। डीलिस्ट करने वाले रेस्टोरेंट्स की संख्या बेहद कम है। हालांकि हम एनआरएआई के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे हैं कि इस स्थिति से कैसे निपटा जा सकता है। डीलिस्ट होने के बाद रेस्टोरेंट स्विगी के सर्च में तो दिखाई पड़ेगा। मगर कस्टमर उससे रेस्टोरेंट में जाकर डिस्काउंट या कैशबैक की सुविधा नहीं ले सकते हैं। डाइनआउट आज लगभग 20 शहरों में कुल 15,000 रेस्टोरेंट्स के साथ काम कर रहा है। हम अपने पार्टर रेस्टोरेंट्स के साथ समय-समय पर संवाद करते रहते हैं जिससे हम उनकी ज़रूरतें समझ सकें और इन पार्टनरशिप को बेहतर तरीके से चला सकें। डाइनआउट की शुरुआत साल 2012 में लगभग 50,000 रेस्टोरेंट्स के साथ हुई थी।

989 करोड़ रुपये (120 मिलियन डॉलर) में हुई इस डील के बाद स्विगी भी रेस्टोरेंट लिस्टिंग बिजनेस में उतर आया था। यानी उस फील्ड में जिसमें ज़ोमैटो कई साल पहले से मौजूद था।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) एक फीसदी बढत के साथ बंद हुए शेयर बाजार

मुंबई ।

दीपावली अवकाश की वजह से बीते सप्ताह सौ मित कारोबार में शेयर बाजार एक फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। नए मुहुर्त ट्रेडिंग कारोबार में पॉजिटिव शुरुआत के बाद शेयर बाजार में पूरे सप्ताह उतार-चढ़ाव देखा गया। बीते सप्ताह शेयर बाजार में सोमवार दीपावली और बुधवार बाली प्रतिप्रदा के अवसर पर अवकाश रहने के कारण सप्ताह में केवल तीन दिन कारोबार हुआ। जिसमें एक दिन गिरावट और दो दिन बढत दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स सेंसेक्स 249.58 अंक चढ़कर 60,081.24 पर खुला और 287.70 अंक की गिरावट के साथ 59,543.96 पर बंद हुआ। इसी तरह व्यापक एनएसई निफ्टी 80.75 अंक बढ़कर 17,811.50 पर खुला और 74.40 अंक की गिरावट के साथ 17,656.35 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख और बैंकिंग शेयरों में लिवाली से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 415.98 अंक चढ़कर 59,959.94 पर खुला और 212.88 अंक की वृद्धि के साथ 59,756.84 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 127.55 अंक बढ़कर 17,783.90 पर खुला और 80.60 अंक की बढ़त दर्ज की और 17,736.95 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 261.95 अंक चढ़कर 60,018.79 पर खुला और 203.01 अंक बढ़कर 59,959.85 पर बंद हुआ। इसी तरह व्यापक एनएसई निफ्टी 68.85 अंक बढ़कर 17,805.80 पर खुला और 49.85 अंक की बढ़त लेकर 17,786.80 पर बंद हुआ।

बैंकों में नकदी का संकट, रिजर्व बैंक ने डाले एक लाख करोड़

मुंबई । भारतीय बैंकों में नगदी की मांग निरंतर बढ़ रही है। बैंकों में नगद रिजर्व खत्म हो गया है। बैंक लगातार रिजर्व बैंक से नगद राशि दे रहे हैं। पिछले 1 सप्ताह में रिजर्व बैंक ने रोजाना लगभग 72000 करोड बैंकों को जारी किये है। 25 अक्टूबर को 98372.89 करोड़ रुपए बैंकों को रिजर्व बैंक ने दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से केंद्रीय बैंक द्वारा बैंकों को नगद राशि उपलब्ध कराई गई है। बैंकों से बड़े पैमाने पर नगद राशि की निकासी हो रही है। जिसमें सबसे ज्यादा जीएसटी के भुगतान के लिए बैंकों से पैसा निकाला गया है। इसके अलावा त्योहारी सीजन में भी नगदी की मांग बैंकों में बढी है। रिजर्व बैंक ने 25 अक्टूबर को बैंकों को जो नगद राशि उपलब्ध कराई है। वह 24 अप्रैल 2019 के बाद सबसे ज्यादा है। नगद राशि जुटाने के लिए बैंकों पर दबाव बढ़ा है। बैंकों द्वारा डिपाजिट बढ़ाने के लिए ब्याज दर भी बढ़ाई गई हैं। इसके बाद भी बैंकों में धन की कमी बनी हुई है।

एलआईसी निवेशकों को डिविडेंड और बोनस शेयर बांटने की योजना

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपने निवेशकों को डिविडेंड या बोनस शेयर जारी करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुतो बिक एलआईसी अपने निवेशकों को डिविडेंड या बोनस शेयर देने की घोषणा कर सकती है। इसके लिए निर्धारित फंड में पॉलिसीधारकों के फंड से लगभग 22 अरब डॉलर स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा रही है। दरअसल एलआईसी अपने शेयर की कीमतों में सुधार के लिए यह कदम उठाने पर विचार कर रही है ताकि शेयर में निवेशकों का भरोसा कायम रहे। एलआईसी का शेयर इस साल मई में शेयर बाजार में लिस्टेड हुआ था। लिस्टिंग के बाद से अब तक शेयर में 35 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जिससे निवेशकों 2.23 अरब रुपए का नुकसान हुआ है। एक अधिकारी के अनुसार एलआईसी निर्धारित फंड में पॉलिसीधारकों के फंड से लगभग 22 अरब डॉलर ट्रांसफर करने की योजना बना रही है। यह नॉन-पार्टिसिपेट वाले कुल फंड का छठवां हिस्सा हो सकता है। इस प्रे क्रिया के पूरा होने के बाद भारतीय जीवन बीमा निगम की कुल संपत्ति लगभग 105 अरब रुपए के मौजूदा मूल्य से लगभग 18 गुना बढ़ जाएगी। हालांकि एलआईसी और वित्त मंत्रालय ने अभी आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। भारतीय जीवन बीमा निगम इस साल 17 मई को शेयर बाजार में लिस्टेड हुई थी। लिस्टिंग के बाद से स्टॉक में लगातार गिरावट हावी रही। एलआईसी का शेयर आईपीओ के इश्यू प्राइस 949 रुपए के स्तर तक भी नहीं जा सका है। शुक्रवार को स्टॉक 592.50 रुपए पर बंद हुआ। एलआईसी के शेयर में 35 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी जा चुकी है। एलआईसी का आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा इश्यू था। इस कंपनी ने सरकार ने अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 21,000 करोड़ रुपए जुटाए थे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो साल के निचले स्तर पर

मुंबई ।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट देखी जा रही है और यह घटकर दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। विदेशी मुद्रा भंडार 21 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 3.847 अरब डॉलर घटकर 524.52 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.50 अरब डॉलर घटकर 528.37 अरब डॉलर रह गया था। पिछले कई महीनों से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी होती देखी जा रही है। एक साल पहले अक्टूबर 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। देश के मुद्रा भंडार में गिरावट का मुख्य कारण यह है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए केंद्रीय बैंक वों देशी मुद्रा भंडार से मदद ले रहा है। अक्टूबर 2021 से अब तक रुपए में गिरावट की वजह से आरबीआई घरेलू करेंसी के मूल्य को गिरावट से बचाने के लिए 100 अरब डॉलर से ज्यादा लगा चुका है। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली, विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.593 अरब डॉलर घटकर 465.075 अरब डॉलर रह गई। आंकड़ों के अनुसार देश का स्वर्ण भंडार मूल्य के संदर्भ में 24.7 करोड़ डॉलर घटकर 37,206 अरब डॉलर रह गया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार 70 लाख डॉलर बढ़कर 17.44 अरब डॉलर हो गया है। वों देशी मुद्रा भंडार की मदद से कोई भी देश जरूरत पर अपनी करेंसी में आई गिरावट को थामने के लिए उचित कदम उठा सकता है। आयात पर निर्भर रहने वाले देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ता है।

आईएमएफ ने एशिया की आर्थिक विकास दर धीमी रहने की संभावना जताई

मुंबई ।

यूरोप और यूएस में आर्थिक मंदी की आशंका की वजह से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एशिया की आर्थिक विकास दर भी धीमी रहने की संभावना जताई है। आईएमएफ ने कहा यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रतिद्वंद्वी व्यापारिक ब्लॉकों में बंट जाती है, तो एशिया विशेष रूप से बड़े नुकसान की चपेट में आ जाएगा।

आईएमएफ ने चीन की अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का अनुमान लगाया है। वहीं कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते एशिया की आर्थिक विकास दर में कटौती की है। आईएमएफ ने एशिया की संभावित विकास दर को कम करते हुए 2022 में इसे 4 फीसदी कर दिया है। 2021 में यह दर 6.5 फीसदी थी जबकि 2023 में इसके 4.3 फीसदी रहने की संभावना है। यह पिछले 20 वर्षों में देखी गई 5.5 फीसदी की औसत दर से काफी कम है। चीन अब भी पूरी तरह से कोरोना संकट से उभर नहीं पाया है। आईएमएफ ने संभावना जाहिर की है कि चीन की विकास दर इस साल 3.2 फीसदी रह सकती है जो पिछले साल 8.1 प्रतिशत थी। वहीं अगले साल इसकी रफ्तार 4.4 फीसदी रहेगी जबकि 2024 में 4.5 फीसदी रहेगी। एक रिपोर्ट के एक हिस्से में आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि व्यापार नीति अनिश्चितता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा तनाव शुरुआती संकेत पैदा कर रहा है जो निवेश, रोजगार, विकास और विकास दर को प्रभावित करेगा।

दिल्ली सरकार ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी किराया बढ़ाया

नई दिल्ली ।

सीएनजी की बढ़ती कीमतों की वजह से दिल्ली सरकार ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी के किराये में वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संशोधित किराया के मुताबिक ऑटो-रिक्शा के लिए शुरुआती 1.5 किलोमीटर दूरी के लिए न्यूनतम किराया 25 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए कर दिया गया है। इस सीमा के बाद प्रत्येक किलोमीटर पर किराये को 9.50 रुपए से बढ़ाकर 11 रुपए कर दिया गया है। बिना एयर कंडीशन वाली टैक्सियों के लिए न्यूनतम किराये के बाद यात्रियों को अब प्रति किलोमीटर 17 रुपए देने होंगे। पहले यह शुल्क 14 रुपए प्रति किलोमीटर था। वहीं एसी टैक्सियों के लिए लोगों को न्यूनतम किराये के बाद 20 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से पैसे देने होंगे। पहले यह किराया 16 रुपए प्रति किलोमीटर था। ऑटो के लिए रो त्रि शुल्क पहले भी 25 फीसदी था जिसे बरकरार रखा गया है। रो त्रि शुल्क 11 बजे के बाद सुबह के 5 बजे तक लगता है। वेटिंग शुल्क पर मिनट 0.75 रुपए था जिसे बरकरार रखा गया है। अे तिरिक्त सामान शुल्क बढ़ा दिया गया है। पहले यह 7.5 रुपए था जिसे बढ़ाकर 10 रुपए कर दिया गया है। ऑटो-रिक्शा के किराये में पिछला बदलाव वर्ष 2020 में हुआ था। वहीं काली और पीली टैक्सी, इकोनॉमी टैक्सी और प्रीमियम टैक्सी के किराये में संशोधन नौ साल पहले वर्ष 2013 में हुआ था। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को वाहन किराये में बढ़ोतरी के मुद्दे पर ऑटो-रिक्शा और टैक्सी संघों और यूनियनों से कई आवेदन मिले थे। इसके बाद किराये को बढ़ाने को मंजूरी दी गई है।

आज द.अफ्रीका को हराकर सेमीफाइनल की टिकट कट सकती भारतीय टीम

रबाडा और नोर्किया के सामने होंगे रोहित, राहुल और कोहली

पर्थ (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 विश्व कप में ग्रुप-2 मुकाबले में भारत का तीसरा मैच रविवार को पर्थ में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होगा। भारत के पास ना सिर्फ जीत की हैट्रिक लगाने का मौका है, बल्कि सेमीफाइनल में जाने का भी मौका है। फिलहाल, भारतीय टीम 2 मैचों में 4 अंकों के साथ ग्रुप-2 में पहले स्थान पर है। वहीं, साउथ अफ्रीका 3 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। द.अफ्रीका ने गुरूवार को बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज की थी, लेकिन जिम्बाब्वे के साथ उनका मैच बारिश के कारण नहीं हो सका, जिस कारण दोनों टीमों को 1-1 अंक दिया गया।

साथ ही अब मैच शुरू होने का समय भी बदला है। अभी तक भारत के मैच भारतीय समयानुसार थोड़ा जल्दी हुए हैं। लेकिन अब भारत का साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच भारतीय समयनुसार दोपहर 4.30 बजे शुरू होगा। स्टेडियम भले ही बदल गया हो, लेकिन पिच का व्यवहार नहीं बदला है। यहां की पिच में भी तेजी और उछाल है, जिससे बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। इसके बाद विश्व के दो खतरनाक तेज गेंदबाजों रबाडा और नोर्किया के सामने रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव की कड़ी परीक्षा होगी।

रबाडा 145 किमी की रफ्तार से गेंद को स्विंग कराने में माहिर हैं, जबकि नोर्किया 150 किमी की रफ्तार से गेंद कराते हैं। इसके बाद इन दोनों गेंदबाजों का सामना करने के लिए पावरप्ले के ओवरों में हाथ और आंख का तालमेल महत्वपूर्ण होगा। पिच से मिलने वाली अतिरिक्त उछाल के कारण बल्लेबाजों के पास शॉट खेलने के लिए समय कम होगा और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बल्लेबाज ऐसी परिस्थितियों में कैसा रवैया अपनाते हैं। परिस्थितियों को देखते हुए रोहित के साथ पारी का आगाज करने के लिए ऋषभ पंत अच्छा विकल्प होता, लेकिन माना जा रहा हैं कि कोच राहुल द्रविड़ अभी खराब फॉर्म में चल रहे केएल राहुल को प्लेइंग इलेवन में बनाए रखना चाहते हैं। पंत को दिनेश कार्तिक की जगह भी प्लेइंग इलेवन में रखने का विकल्प है। कार्तिक की विकेटकीपिंग पहले दो मैचों में अपेक्षानुरूप नहीं रही थी। नीदरलैंड के खिलाफ मैच से यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि भारतीय टीम साउथ अफ्रीका का सामना करने के लिए कितनी तैयार है। इन दोनों टीम के बीच पिछली सीरीज भारत की कम उछाल वाली पिचों पर खेली गई थी जो कि बल्लेबाजों के लिए अनुकूल थी।

जहां तक द.अफ्रीका के गेंदबाजी संयोजन की बात हैं,तब फिर अगर वह बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर तबरेज शम्सी को बाहर रखते हैं, तब किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। उनकी जगह मार्को जानसेन या लुंगी एनगिडी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। भारतीय बल्लेबाजों ने पूर्व में शम्सी को सहजता से खेला है तथा ऑप्टस स्टेडियम में ओवर गति बनाए रखने के लिए ही दो स्पिनर रखे जा सकते हैं। विजयी संयोजन को बनाए रखना लाजमी है लेकिन साउथ अफ्रीका की टीम में बाएं हाथ के तीन बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक, रिली रोसो और डेविड मिलर हैं, जो अक्षर पटेल को सहजता से खेल सकते हैं।

अक्षर का बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने इकोनॉमी रेट नौ रन प्रति ओवर के करीब है। यदि भारत अक्षर की जगह युजवेंद्र चहल को अंतिम एकादश में नहीं रखता है, तब फिर हार्दिक पंड्या को अपने चारों ओवर करने पड़ सकते हैं। अक्षर टीम में पंत के अलावा बाएं हाथ के अन्य बल्लेबाज हैं, जिससे उनका मामला मजबूत बनता है। साउथ अफ्रीका के लिए शीर्ष क्रम में एकमात्र चिंता कप्तान तेंबा बावुमा की लचर फॉर्म है, जिनका खेल टी20 के अनुकूल नहीं है। उसके पास हालांकि ट्रिस्टन स्टब्स और रोसो के रूप में दो आकर्षक बल्लेबाज हैं जो कि भारतीय गेंदबाजों पर हावी होकर खेल सकते हैं। भारतीय गेंदबाजों में अभी केवल मोहम्मद शमी ही 140 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। रोसो लगातार दो मैचों शतक लगाने के बाद मैच में भारतीय गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ा खतरा हो सकते हैं। भारत यदि दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है और उसके बाद बांग्लादेश और जिंबाब्वे पर भी जीत दर्ज करता है,तब उसका सेमीफाइनल का मैच स्थल एडिलेड होगा। इस ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम 10 नवंबर को एडिलेड में सेमीफाइनल खेलेगी जबकि दूसरे नंबर की टीम को सिडनी में सेमीफाइनल खेलना होगा।

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन: सात्विक-चिराग की जोड़ी फ्रेंच ओपन फाइनल में

पेरिस (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को यहां चोई सोल गयू और किम वोन हो की कोरियाई जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष युगल फाइनल में प्रवेश किया।

दुनिया की आठवें नंबर की जोड़ी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए कोरियाई जोड़ी को 45 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 21-18 21-14 से पराजित किया। भारतीय जोड़ी 2022 में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर टूर्नामेंट के दूसरे फाइनल में पहुंची है। इससे पहले इस जोड़ी ने साल के शुरू में जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट जीता था।

पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंचे, यह मेरी सबसे बड़ी खुशी: बिन्नी

बेंगलुरु(एजेंसी)।

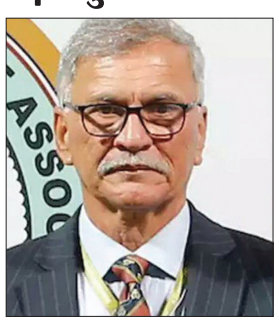

टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिखाया। पाकिस्तानी टीम की हार के बाद कई क्रिकेट प्रशंसक और जानकार हैरान दिखें, इनमें से ज्यादातार का मानना है कि क्रिकेट में जिम्बाब्वे, नीदरलैंड, आयरलैंड के साथ-साथ अन्य टीमों को भी आगे आना चाहिए, ताकि क्रिकेट की सीमाएं पूरी दुनिया में फैल सके। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने जिम्बाब्वे टीम की तारीफ कर कहा अगर पाकिस्तान टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचता है, तब यह उनकी सबसे बड़ी खुशी होगी।

बिन्नी ने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान के लिए सेमीफाइनल में जगह बनाना मुश्किल होगा। यह मेरी सबसे बड़ी खुशी होगी और उम्मीद करता हूं कि ऐसा होगा, लेकिन क्रिकेट एक मजेदार खेल है, कभी भी कुछ भी हो सकता है। बिन्नी ने जिम्बाब्वे टीम की तारीफ में कहा, 'यह अच्छा है कि जूनियर टीमें आगे आ रही हैं। जिम्बाब्वे और आयरलैंड ने टी20 विश्व कप में इस साबित कर दिया है कि अब आप छोटी टीमों को हल्के में नहीं ले सकते। वे आपको आसानी से हरा सकते हैं।'

फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने श्रींलका को बुरा रौंदा, 66 रनों से हराया

इनी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड टीम की धमाकेदार खेल जारी है। मेजबान ऑस्ट्रेलिया को पीटने के बाद श्रीलंका के खिलाफ टीम ने दमदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी कर ग्लेन फिलिप्स के शानदार शतक के बाद दम पर न्यूजीलैंड ने 7 विकेट पर 167 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी की आग उगलाती गेंदबाजी के आगे श्रीलंका की टीम 102 रन के स्कोर पर ढेर हो गई।

बोल्ट ने न्यूजीलैंड के लिए पावर प्ले में कुसल मेंडिस, धनंजय डि सिल्वा और चरिथ असलंका को अपना शिकार बनाया। वहीं टीम के लिए पहला विकेट टिम साउदी ने लिया। इस तरह से बोल्ट और साउदी की घातक गेंदबाजी के आगे श्रीलंकाई टॉप ऑर्डर पूरी तरह से बिखर गया। वहीं बाकी का कसर स्पिनर मिशेल सैंटनर ने आकर पूरी कर दी, जब उन्होंने कप्तान चमिका करुणारत्ने को आउट कर श्रीलंका को पांचवां झटका दे दिया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में श्रीलंकाई टीम के गेंदबाजों ने भी धमाकेदार शुरुआत की थी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कीवी टीम के लिए तीन विकेट सिर्फ 15 रन के स्कोर झटक लिए थे। हालांकि इस बीच न्यूजीलैंड के लिए फिलिप्स ने एक छोड़ से पारी को संभाले रखा। इसके पहले न्यूजीलैंड ने पावरप्ले के अंदर 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद फिलिप्स (104 रन, 64 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) ने डेरिल मिचेल (24 गेंद में 22 रन) ने 84 रन की भागीदारी निभाकर पारी संभाली। फिलिप्स ने 12 रन के स्कोर पर मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाकर बेहतरीन स्ट्रोक्स लगाए, उन्हें हालांकि श्रीलंकाई टीम ने एक और जीवनदान दिया।

टीम के लिए फिलिप्स के अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सके। मिशेल के अलावा मिशेल सैंटनर 11 रन बनाकर नाबाद रहे। फिलिप्स ने अपनी यादगार पारी में स्पिनरों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ खूब कुटाई की। उन्होंने पहला छक्का चमिका करूणारत्ने पर लगाया। इससे उनका बड़े शॉट खेलने का आत्मविश्वास बढ़ा और खराब शुरुआत के बाद टीम की रन गति भी बढ़ने लगी.

फी-हिट पर स्टंप्स से टकराने पर गेंद डेड नहीं होती, इतना भी नहीं पता इन्हें : मलिक

कराची । टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान की 1 रन से हार के बाद पूर्व क्रिकेटर टीम को आड़े हाथों ले रहे हैं। पाकिस्तान कमजोर टीम जिम्बाब्वे से हार गया, इस लेकर बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम की आलोचना लगातार हो रही है। वसीम अकरम, वकार यूनिस, मिस्बाह-उल-हक, शोएब अख्तर और शोएब मलिक जैसे पूर्व खिलाड़ी टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तानी क्रिकेट टीम सिलेक्शन पर सवाल उठाते रहे हैं। इसी सिलसिले में दिग्गज बल्लेबाज शोएब मलिक ने पाकिस्तान टीम को लताड़ते हुए अब कहा है कि अगर खिलाड़ियों को यह भी पता नहीं है, कि फ्री-हिट पर स्टंप्स से टकराने पर गेंद डेड नहीं होती है, तब बाकी चीजों की बात ही छोड़ दो। मलिक ने पाकिस्तान टीम की सोच-समझ को भी लताड़ा। उन्होंने इसके साथ भारत-पाकिस्तान के मैच के दौरान डेड-बॉल विवाद पर टीम को आड़े हाथों लिया। मलिक ने कहा 'वे नहीं जानते कि फ्री हिट पर स्टंप्स से टकराने पर बॉल डेड नहीं होती है, इसलिए अन्य चीजों की बात ही छोड़ दें। उन्हें यह भी नहीं पता है, इसलिए आपको ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में कैसे खेलना है, इस बारे में बात करना दूसरी बात है। हम केवल शॉट-टर्म सॉल्यूशन खोजने की कोशिश करते हैं। मलिक ने कहा, अगर पाइप में रिसाव है,तब पाइप को बदलना स्थायी समाधान है, लेकिन अंतर यह है कि आप पाइप को बदलने की बजाय रिसाव को भरने की कोशिश करते हैं। आपको पाइप बदलने की जरूरत है।' गौरतलब है कि रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने चार विकेट से जीत हासिल की थी। मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 20वें ओवर दौरान पाक स्पिनर मोहम्मद नवाज ने अपनी चौथी गेंद नो बॉल फेंकी और इसके चलते अगली गेंद पर फ्री हिट दी गई।

ग्रेग चैपल ने कोहली को सबसे विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज करार दिया

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी ग्रेग चैपल उस भारतीय क्रिकेट के मरीद हो चके हैं. जिसने अपनी बल्लेबाजी से पाकिस्तान को धूल चटा दी थी। जी हां, पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में विराट कोहली की लाजवाब पारी से बेहद प्रभावित चैपल ने इस पूर्व कप्तान को सबसे विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज करार दिया। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 82 रन की पारी खेलकर भारत को रोमांचक जीत दिलाई थी। चैपल ने कोहली की पारी को 'ईश्वर का गीत की संज्ञा देकर कहा, बल्लेबाजी की कला से समझौता किए बिना जिस तरह से पिछले रविवार को कोहली ने अपने प्रतिद्वंदी को निर्ममता से चारों खाने चित किया वैसे पूर्व में कभी कोई बल्लेबाज नहीं कर सका था। उन्होंने अपने कॉलम में लिखा,' कोहली मेरे समय के सबसे संपूर्ण भारतीय बल्लेबाज हैं। केवल महानतम चैंपियनों के पास अपनी कल्पना को अनंत तक ले जाने का साहस और बुद्धिमत्ता होती है। कोहली के पास वह है। इस मामले में संभवतः केवल टाइगर पटौदी ही उनके करीब नजर आते हैं। चैपल ने कहा, कोहली ने एक ऐसी पारी खेली जो 'ईश्वर के गीत' के करीब थी जैसी टी20 क्रिकेट में कभी नहीं खेली गई। चैपल ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कोहली की पारी ने टी20 क्रिकेट को भी वैध बना दिया। उन्होंने कहा, यह ऐसी पारी थी जिसमें बल्लेबाजी की कला भी देखने को मिली। मैंने जितनी क्रिकेट देखी है ऐसा कोई नहीं कर पाया।'

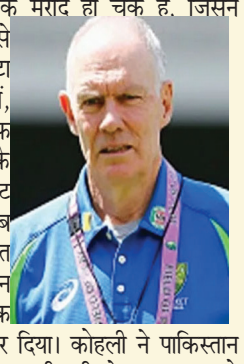

स्पेन के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टीम

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

पिछले मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करने वाली भारतीय हॉकी टीम स्पेन के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले प्रो लीग मैच में अनुशासित प्रदर्शन करके विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने शुक्रवार को पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-3 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके यह मैच 4-3 से जीता था।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बढ़े उत्साह के साथ मैदान पर उतरेगी। स्पेन के खिलाफ हालांकि मुकाबला आसान नहीं हो क्योंकि पिछले सत्र में भारत अपने प्रतिद्वंदी से दूसरे चरण के मैच में 3-5 से हार गया था। भारत ने तब पहले चरण का मैच 5-4 से जीता था। भारतीय टीम को रक्षा पंक्ति में अधिक अनुशासित होने की जरूरत है। उसे सर्कल के अंदर फाउल करके पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा।

भारतीय खिलाड़ियों को कार्ड लेने से भी बचना होगा क्योंकि पिछले मैच में सुमित को कार्ड मिला था जिससे भारत को सात मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा,'स्पेन मजबूत टीम है और वह किसी भी परिस्थिति में वापसी करने का माद्दा रखती है। हमारे लिए सभी क्वार्टर में लय बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।'

मिडिल आर्डर में शोएब को न लेना बड़ी गलती, खिलाड़ियों के चयन पर देना चाहिए था ध्यान: वसीम अकरम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

1992 में वर्ल्ड कप जीतने वाली पाकिस्तान की टीम का हिस्सा रहे पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। पाकिस्तान की टीम पहले भारत और फिर बेहद कमजोर मानी जाने वाली जिम्बाब्वे की टीम से एक रन से हार गई। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के रहते टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ 129 रन ही बना सकी। उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की राह बेहद कठिन हो गई है। अब अगर वह बाकी बचे तीनों मैच जीते और फिर दूसरी टीमों के परिणाम पर भी अनुकूल रहें, केवल तभी सेमीफाइनल में पहुंच सकती है, जो एक असंभव सा लक्ष्य है।

वसीम अकरम ने कहा कि एक साल से पूरा पाकिस्तान कह रहा है कि मिडिल ऑर्डर अच्छा नहीं है। अगर मैं कप्तान होता तो टारगेट क्या होता, सिर्फ वर्ल्ड कप जीतना। इसके लिए मुझे गधे को भी बाप बनाना पड़े, तो मैं बना लूंगा। उन्होंने कहा कि बतौर कप्तान मेरा एक ही उद्देश्य रहता कि वर्ल्ड कप जीतना। अगर मुझे शोएब मलिक मिडिल ऑर्डर में चाहिए, तो सेलेक्टर्स ने कह देता मुझे यह खिलाड़ी चाहिए। नहीं तो मैं कप्तानी नहीं करूंगा।

ज्ञात हो कि वसीम अकरम, के अलावा पाकिस्तान के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 वर्ल्ड कप टीम में सीनियर खिलाड़ी शोएब मलिक को शामिल किए जाने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि लेकिन अब खिलाड़ियों की मांग करने वाला कोई कप्तान ही नहीं है। बाबर आजम को अब और अक्लमंद होना पड़ेगा। यह मोहल्ले की टीम नहीं है कि मेरा जानने वाला या दोस्त आ जाए टीम में। वसीम अकरम ने कहा कि अगर मैं कप्तान होता, तो सबसे पहले शोएब मलिक को मिडिल ऑर्डर में रखता। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप शारजाह, दुबई या पाकिस्तान में नहीं खेला जा रहा है। जहां डेड विकेट हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज तक आपको परेशान कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि सुपर-12 के ग्रुप-2 में पाकिस्तान की टीम अभी 5वें स्थान पर है। उसे अभी साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स से मुकाबला करना है।

फीडे महिला कैंडिडैट शतरंज - कोनेरु हम्पी सेमी फाइनल से आधा अंक दूर

मोंटी कार्लो, मोनोको। फीडे महिला कैंडिडैट शतरंज टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी ने उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के तीसरे मुक़ाबले मे बाजी ड्रॉ खेलते हुए 2-1 से बढ़त बना ली है और अब अगर अंतिम राउंड मे काले मोहरो से वह बाजी ड्रॉ भी खेलती है तो उनका सेमी फाइनल पहुँचना तय है। वहीं अगर एना को वापसी करनी है तो उन्हे हर हाल में अंतिम मुक़ाबला जीतना होगा और तभी मैच टाईब्रेक तक पहुंचेगा । तीसरे राउंड में सफ़ेद मोहरो से खेल रही हम्पी ने क्यूजीडी ओपनिंग में शुरुआत से ही वजीर की अदला बदली करते हुए एंडगेम की तरफ खेल को मोड़ दिया और काफी कोशिश करने के बाद भी एना कोई बढ़त हासिल नहीं कर पायी और 42 चालों बाद अंततः दोनों खिलाड़ी अंक बांटने पर सहमत हो गयी । अब अंतिम राउंड में एना के पास सफ़ेद मोहरो से एक आक्रामक खेल की उम्मीद होगी क्यूंकी उनके पास जीतने के सिवाय कोई चारा नहीं है । वही दूसरे क्वार्टर दूसरे क्वार्टर फाइनल में चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे ने उक्रेन की ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक के खिलाफ लगातार दूसरी बाजी ड्रॉ खेली और 2-1 से बढ़त बनाए रखी है ।

दूसरे दौर में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण तीसरे से 34वें स्थान पर खिसकेअर्जुन अटवाल

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल बटरफील्ड बरमूडा गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहले दिन का अपना शानदार प्रदर्शन नहीं दोहरा पाए और इवन पार 71 का कार्ड खेलने के कारण तीसरे से 34वें स्थान पर खिसक गए। अटवाल ने पहले दौर में 63 का शानदार कार्ड खेला था लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। दूसरे दौर में अटवाल ने तीन बर्डी बनाई लेकिन इस बीच उन्होंने इतनी ही बोगी भी की। इनमें से दो बोगी उन्होंने अंतिम नौ होल में की। बेन क्रेन ने 62 का कार्ड खेला जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे उन्होंने एकल बढ़त हासिल कर ली है। पांच बार के पीजीए टूर विजेता क्रेन ने नौ बर्डी, एक ईगल और दो बोगी की। वह एडम शेंक, आरोन बैडले, रॉबी शेल्टन और बेन ग्रिफिन से एक शॉट आगे हैं।

द. अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारत की जीत की दुआ करेगा पाक, भारत जीता तो कायम रहेगी उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें टी20 वर्ल्ड कप के 30वें मैच में रविवार 30 अक्टूबर को पर्थ के आप्टस स्टेडियम में भिड़ेंगी। इस मुकाबले पर पाकिस्तान की टीम भी नजरें गड़ाए रहेगी। आदत के विपरीत, बाबर आजम एंड कंपनी इस मुकाबले में भारत की जीत की दुआ करेगी। लगातार दो मुकाबले हारने के बाद पाकिस्तान की टीम का सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता बेहद मुश्किल हो गया है।

पाकिस्तान को शुरुआती दो मुकाबलों में भारत और जिम्बाब्वे से हार का मुंह देखना पड़ा। टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 4 विकेट से मात दी, जबकि जिम्बाब्वे ने आखिरी गेंद पर एक रन से रोमांचक जीत दर्ज कर मौजूदा टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर किया। पाकिस्तान को अभी भी तीन मुकाबले खेलने हैं। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान की टीम को साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड्स और बांग्लादेश से भिड़ना है। यदि पाकिस्तान की टीम बाकी बचे ये तीन मैच जीत जाती है, तो उसके 6 अंक हो जांएगे।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम 2 मैचों में 3 अंक लेकर ग्रुप दो के प्वॉइंट्स टेबल में भारत के बाद दूसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका को अभी भारत, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स भिड़ना है। टेंबा बावूमा की कप्तानी वाली टीम का नीदरलैंड्स के खिलाफ जीतना लगभग तय है। अब यदि दक्षिण अफ्रीका की टीम बाबर की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम से हार जाती है, तो प्रोटियाज टीम के 4 मैचों में 5 अंक होंगे।

दक्षिण अफ्रीका यदि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया को हरा देता है तो उसके 7 अंक हो जाएंगे। ऐसे में पाकिस्तान की टीम के पास सिर्फ 6 अंक ही रह जाएंगे। ऐसे में पाकिस्तान की टीम चाहेगी कि भारत बावूमा की टीम को हरा दे। यदि इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत को हरा देती है, तो पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो जाएगी। इस ग्रुप से भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना तय है। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के बाद बांग्लादेश और जिम्बाब्वे से भिड़ना है।

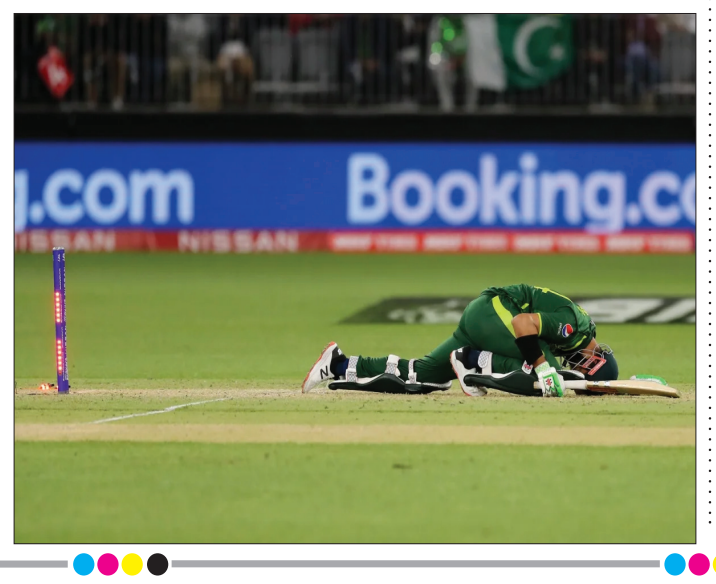

बुमराह लंबे समय तक सभी प्रारूपों में नहीं खेल सकता: थॉमसन

पर्थ। दुनिया के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक जेफ थॉमसन का कहना है कि अगर जसप्रीत बुमराह को अपना करियर लंबा खींचना है तो वह लंबे समय तक तीनों प्रारूपों में खेलने का जोखिम नहीं उठा सकते। समकालीन क्रिकेट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक बुमराह चोटिल होने के कारण टी-20 विश्वकप में नहीं खेल पा रहे हैं। पीठ की चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है। अपने समय के तूफानी तेज गेंदबाज थॉमसन का मानना है कि यह बुमराह को तय करना है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में से किस प्रारूप में खेलना है। थॉमसन ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि बुमराह अपने शरीर पर बहुत अधिक बोझ डालते हैं क्योंकि वह सभी प्रारूपों में खेलते हैं और ऐसे में वे चोटिल हो जाते हैं। अब फैसला उन पर है कि वह क्या करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दर्शक चाहते हैं कि वह सीमित ओवरों की क्रिकेट में खेले। वह सीमित ओवरों की क्रिकेट में उसे गेंदबाजी करते हुए देखने के लिए स्टेडियम में आते हैं। वनडे में केवल 60 और टी20 में 24 गेंद करनी होती हैं जो इस पर निर्भर करता है कि वह किस प्रारूप में खेलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप्पर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है

कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

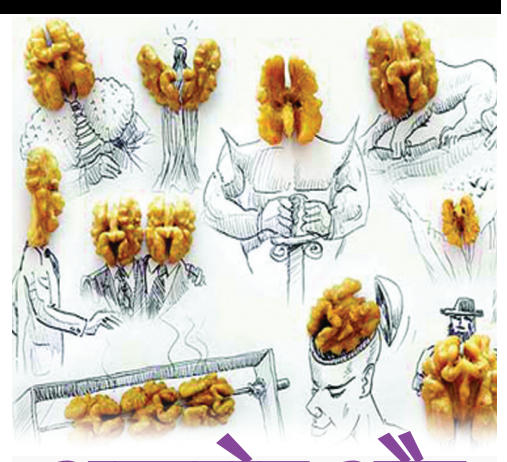

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यत: सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

4 ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं और 13 बच्चों को सीरियाई शरणार्थी शिविर से वापस लाया गया

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री क्लेयर ओ'नील ने शनिवार को ऐलान किया कि 4 ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं और उनके 13 बच्चों को सीरियाई शरणार्थी शिविर से सकुशल वापस लाया गया है। तथाकथित इस्लामिक स्टेट समूह से मृत या जेल में बंद लड़ाकों के रिश्तेदार दर्जनों ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं और बच्चों को न्यू साउथ वेल्स राज्य में वापस लाने की लिबरल-नेशनल विपक्ष द्वारा आलोचना की गई थी। ओ'नील ने एक बयान में कहा, 'इन महिलाओं और उनके बच्चों को स्वदेश भेजने के निर्णय की जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के विस्तृत कार्य के बाद व्यक्तिगत आकलन द्वारा दी गई।' महिलाएं और बच्चे गुरुवार दोपहर उत्तरी सीरिया में अल-रोज शरणार्थी शिविर से निकले गए खबरों में बताया गया कि महिलाएं और बच्चे गुरुवार दोपहर उत्तरी सीरिया में अल-रोज शरणार्थी शिविर से निकले और फ्लाइट होम में सवार होने के लिए इराक चले गए। ओ'नील ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड, बेल्जियम, ब्रिटेन और कनाडा द्वारा इसी तरह के कदमों के बाद अपने देश में वापस लाने के लिए कदम उठाया गया। उसने कहा कि राज्य और संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा अवैध गतिविधि के आरोपों की जांच जारी रहेगी। विपक्ष के नेता पीटर डटन ने इस कदम को देश के सर्वोत्तम हित में नहीं बताते हुए कहा है कि महिलाएं 'हमारे देश से नफरत करने वाले, हमारे जीवन के तरीके से नफरत करने वाले लोगों के साथ मिल गई हैं।' प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने संवाददाताओं से इस मामले पर कहा कि वह समूह के मामले के विवरण पर चर्चा नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाह का पालन कर रहे हैं। 'ऑस्ट्रेलियाई सरकार हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी कि ऑस्ट्रेलिया में लोगों को सुरक्षित रखा जाए, यही हमारी प्राथमिकता है।'

यूक्रेन के समर्थन में कनाडा ने रूस के 35 और नागरिकों पर लगाई पाबंदी

टोरंटो । यूक्रेन पर हमलावर देश रूस को लेकर दुनिया में उसके खिलाफ आवाजे ते हो रहा हैं अब कनाडा सरकार ने रूस के 35 और नागरिकों पर पाबंदी लगाने की शुक्रवार को घोषणा की। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, उनमें रूस के स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी गजप्रोम और छह ऊर्जा क्षेत्र की संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल हैं। ट्रूडो ने एक बयान में कहा, रूस के यूक्रेन के खिलाफ अपने अवैध हमलों को जारी रखने के बीच कनाडा सरकार यूक्रेनी सरकार और उसके लोगों का समर्थन करना जारी रखेगी।

फिलिपीन में प्रकृति का कहर, मूसलाधार बारिश और भूस्खलन के चलते 47 लोगों की मौत और दर्जनों लापता

कोताबातो (फिलीपीन)। फिलिपीन में मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन के चलते कम से कम 47 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हैं। सबसे बुरा असर एक दक्षिणी प्रांत पर पड़ा है, जहां लगभग 60 ग्रामीणों के लापता होने और बाढ़ के पानी, कीचड़, चट्टानों और पेड़ों के नीचे दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पूर्व गुरिल्ला अलाववादियों द्वारा शासित पांच मुस्लिम प्रांतों के स्वायत्त क्षेत्र के गृह मंत्री नजीब सिनारिंबो ने कहा कि बृहस्पतिवार रात से लेकर शुक्रवार तड़के तक मैग्विनडानाओ प्रांत के तीन कस्बों में कम से कम 42 लोग बाढ़ के पानी में बह गए। सरकार की आपदा-प्रतिक्रिया एजेंसी ने कहा कि शनिवार तड़के पूर्वी प्रांत केमरीन सुर से टकराए 'नलगे' नामक तूफान से पांच अन्य लोगों की मौत हो गई। सिनारिंबो ने बताया कि मैग्विनडानाओ प्रांत के दातु ओडिन सिनसुअट कस्बे के कुसियोंग गांव में 60 से अधिक लोग लापता हुए हैं।

अमेरिका- स्पीकर नैंसी पेलोसी घर में बलात प्रवेश कर शख्स ने उनके पति पर किया हथौड़े से हमला

वॉशिंगटन । अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष (स्पीकर) नैंसी पेलोसी के आवास में एक हमलावर ने बलात रूप से प्रवेश कर उनके पति पॉल पेलोसी पर हमला कर दिया। हमलावर नैंसी की तलाश में उनके आवास में घुसा था और वह 'नैंसी कहां हैं, नैंसी कहां हैं?' चिल्ला रहा था। इस दौरान उसने 82 वर्षीय पॉल पेलोसी को हथौड़े से बुरी तरह से पीटा। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से महज 11 दिन पहले हुए इस हमले ने पहले से ही तनावपूर्ण देश के सियासी माहौल में नयी बेचैनी पैदा कर दी है। इससे छह जनवरी 2011 को अमेरिकी कैपिटल (संसद परिसर) में हुए दंगों की यादें ताजा हो गईं, जब राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन की जीत के प्रमाणीकरण को बाधित करने के लिए संसद परिसर पर धावा बोलने वाले (डोनाल्ड) ट्रंप समर्थकों ने प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी की थी। प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष के कार्यालय ने बताया कि हमले में पॉल पेलोसी की दाहिनी बांह और दोनों हाथों में गंभीर चोटें आई हैं और खोपड़ी में हुए फ्रैक्चर के चलते उनकी सर्जरी करनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को पॉल पेलोसी के पूरी तरह से ठीक होने की उम्मीद है। हमले की सूचना मिलते ही राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तुरंत नैंसी पेलोसी को फोन कर उनके प्रति संवेदना जताई। वहीं, संसद के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन नेताओं ने इस हमले की कड़ी निंदा की। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे ने कहा, फराष्ट्रपति पॉल पेलोसी और स्पीकर पेलोसी के पूरे परिवार के लिए कामना कर रहे हैं। वह सभी तरह की हिंसा की निंदा करते हैं।

कोरोना की चपेट में चीन, अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का अनुमान

वाशिंगटन । यूरोप और यूएस में आर्थिक मंदी की आशंका के बीच एशियाई देशों के लिए चिंता बढ़ गई है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एशिया की आर्थिक विकास दर भी धीमी रहने की संभावना जाहिर की है। आईएमएफ ने कहा यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रतिद्वंद्वी व्यापारिक ब्लॉकों में बंट जाती है, तब एशिया विशेष रूप से बड़े नुकसान की चपेट में आ जाएगा। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने चीन की अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट का अनुमान लगाया है। वहीं, कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण एशिया की आर्थिक विकास दर में कटौती की है। आईएमएफ ने एशिया की संभावित विकास दर को कम कर 2022 में इस 4 फीसदी कर दिया है। 2021 में यह दर 6.5 फीसदी थी, जबकि 2023 में इसके 4.3 फीसदी रहने की संभावना है। यह पिछले 20 वर्षों में देखी गई 5.5 प्रतिशत की औसत दर से काफी कम है। चीन अब भी पूरी तरह से कोरोना संकट से उभर नहीं सका है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने संभावना जाहिर की है कि चीन की विकास दर इस साल 3.2 फीसदी रह सकती है, जो पिछले साल 8.1 प्रतिशत थी। वहीं, अगले साल इसकी रफ्तार 4.4 फीसदी रहेगी, जबकि 2024 में 4.5 फीसदी रहेगी। आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि व्यापार नीति अनिश्चितता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा तनाव शुरुआती संकेत पैदा कर रहा है जो निवेश, रोजगार, विकास और विकास दर को प्रभावित करेगा। आईएफएम के एशिया विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने कहा, व्यापार विखंडन वैश्विक अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से एशियाई अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा जोखिम है।

अमेरिका ने रुश्दी के सिर पर इनाम घोषित करने वाले ईरानी समूह पर प्रतिबंध लगाया

वाशिंगटन । अमेरिका एक ईरानी संगठन पर वित्तीय दंड लगा रहा है जिसने ब्रिटिश-अमेरिकी लेखक सलमान रुश्दी को निशाना बनाने के लिए धन जुटाया था। रुश्दी पर अगस्त में हिंसक हमला किया गया था। मुंबई में जन्में और बुकर पुरस्कार से सम्मानित रुश्दी (75) पश्चिमी न्यूयॉर्क के चौटाउक्वा संस्थान में एक कार्यक्रम के दौरान अपना व्याख्यान शुरू करने वाले ही थे कि तभी एक व्यक्ति ने मंच पर चढ़कर चाकू से उन पर हमला कर दिया था। 'ट्रेजरी ऑफिस ऑफ़ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' ने '15 खोरदाद फाउंडेशन' पर वित्तीय दंड लगाने को मंजूरी दी, जिसने रुश्दी के सिर पर करोड़ों डॉलर का इनाम घोषित किया था। रुश्दी ने ''द सैटेनिक वर्सेज'' लिखी थी, जिसे कुछ मुसलमान ईशनिंदा मानते हैं। रुश्दी के एजेंट का कहना है कि पश्चिमी न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में मंच पर किए गए हमले से उबरने के बाद लेखक की एक आंख की रोशनी चली गई है और एक हाथ ने काम करना बंद कर दिया है। आतंकवाद और वित्तीय खुफिया के लिए ट्रेजरी के अवर सचिव ब्रायन नेल्सन ने कहा, ''अमेरिका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता के सार्वभौमिक अधिकारों के खिलाफ ईरानी अधिकारियों द्वारा उत्पन्न खतरों के लिए खड़े होने के अपने दृढ़ संकल्प से पीछे नहीं हटेगा।' ' उन्होंने कहा, ''हिंसा का यह कृत्य, जिसकी ईरानी शासन द्वारा प्रशंसा की गई है, भयावह है। हम सभी सलमान रुश्दी पर हुए हमले के बाद उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद करते हैं।'' विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि संगठन पर ''आतंकवाद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने'' को लेकर राजनयिक रूप से दंडित करने की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है।

प्राग। चेक गणराज्य के प्राग में आयोजित सरकार विरोधी प्रदर्शन में भाग लेने वाले एक प्रदर्शनकारी ने यूरोपियन यूनियन द्वारा रूस के विरुद्ध लगाए गए प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए मास्को से गैस खरीदने का समर्थन किया।

अगले महीने मिस्र, कंबोडिया और इंडोनेशिया दौरे पर जाएंगे राष्ट्रपति जो बाइडन: व्हाइट हाउस

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन संयुक्त राष्ट्र के सीओपी27 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अगले महीने मिस्र जाएंगे। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति वार्षिक अमेरिका-आसियान शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 12-13 नवंबर तक कंबोडिया में रहेंगे, जिसके बाद वह जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए 13 से 16 नवंबर तक इंडोनेशिया के बाली की यात्रा करेंगे।व्हाइट हाउस ने कहा कि 11 नवंबर को मिस्र के शर्म अल-शेख में होने वाले सीओपी27 शिखर सम्मेलन में बाइडन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जारी वैश्विक लड़ाई को गति देंगे। वह जलवायु परिवर्तन से होने वाले दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए अमेरिका द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को भी रेखांकित करेंगे। अमेरिका-आसियान शिखर सम्मेलन और कंबोडिया में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में बाइडन वाशिंगटन डीसी में हुए ऐतिहासिक अमेरिका-आसियान विशेष शिखर सम्मेलन की सफलता को रेखांकित करते हुए दक्षिण पूर्व एशिया और आसियान के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

इमरान खान पलट देंगे अमेरिका का पासा?

लाहौर-इस्लामाबाद मार्च ने हिला दी शहबाज सरकार की नींव, तख्तापलट की उम्मीद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में इस समय राजनीतिक कोहराम मचा हुआ हैं। पाकिस्तान की आवाम में इमरान खान के लिए प्रेम है और लोगों के अंदर इमरान के लिए सहानुभूति भी हैं। इसका एक नजारा इमरान खान की लॉन्ग मार्च के दौरान इकठ्ठा हुई भीड़ से देखने को मिला हैं। लाहौर से इस्लामाबाद की ओर कूच करने वाली इमरान खान की लॉन्ग मार्च ने मौजूदा शहबाज सरकार की नाक में दम कर दिया हैं। आंतरिक सूत्रों का कहना है कि इमरान की मार्च से शहबाज शरीफ का खेमा हिल गया है और वह कुछ भी करके मार्च को खत्म करना चाहता हैं। भीड़ को देखते हुए 13000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया हैं। वहीं मीडिया को भी कवरेज करने से रोका जा रहा हैं। इस्लामाबाद पुलिस ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए होटलों और अतिथि गृहों को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली रैली में हिस्सा लेने वाले उनके समर्थकों को ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने से रोक दिया। इमरान खान देश में फिर से

जनरल चुनाव करवाना चाहते हैं। इमराम को विश्वास है कि पाकिस्तान की आवाम उनका साथ देगी क्योंकि शहबाज शरीफ ने आइन (संविधान) का अपमान किया हैं। यदि पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति की बात की जाए तो इस समय इमरान खान पासा पलट सकते हैं। उनका मार्च इस बात की चीख-चीख कर गवाही दे रहा हैं। माना जा रहा है कि मार्च के बाद पाकिस्तान में कुछ बड़ा हो सकता हैं। अनुमान तो यह भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान में इमरान खान तख्ता पटल सकते हैं और एक बार फिर से सत्ता में आ सकते हैं। दूसरी तरफ देखा जाए तो आवाम के साथ साथ पाकिस्तानी सेना किसको समर्थन देती हैं यह भी बहुत मायने रखता हैं। इमरान खान के सत्ता में लौटने के बीच यदि कोई आ सकता है तो वह है पाकिस्तान की सेना। पिछले कार्यकाल में पाकिस्तानी सेना का इमरान खान के साथ कुछ ज्यादा बेहतर रिश्ता नहीं बन सका। इमरान खान ने कई बार मुखर होकर पाक की सेना के खिलाफ जहर भी उगला हैं। अब देखना होगा कि पाकिस्तान में क्या होता हैं!

पोलैंड ने अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण का जिम्मा अमेरिका को सौंपा

वारसॉ (पोलैंड) (एजेंसी)।

पोलैंड ने घोषणा की कि उसने अपने पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण के लिए अमेरिकी सरकार और वेस्टिंगहाउस कंपनी को चुना है। यह कोयला पर निर्भरता घटाने और ऊर्जा के लिहाज से अधिक स्वतंत्रता हासिल करने के उसके प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मातेश्च मोराविकी ने शुक्रवार देर रात कहा कि पोलैंड की परमाणु ऊर्जा परियोजना वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी की 'विश्वसनीय, सुरक्षित तकनीक' का इस्तेमाल करेगी। उन्होंने कहा कि पोलैंड और अमेरिका के बीच मजबूत गठबंधन 'हमारी संयुक्त पहलों की सफलता की गारंटी' है। गौरतलब है कि पोलैंड कई वर्षों से ऊर्जा के लिहाज से अधिक स्वतंत्रता हासिल करने और देश के पुराने कोयला संयंत्रों को हटाने के लिए एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की योजना बना रहा है। इन कोयला संयंत्रों से यूरोप में वायु प्रदूषण फैलता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने और ऊर्जा को अपना हथियार बनाने के कारण पोलैंड के लिए ऊर्जा विकल्पों की तलाश और भी ज्यादा जरूरी हो गई है। अमेरिका की ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रानहोम ने कहा कि 40 अरब डॉलर की यह परियोजना अमेरिकी कामगारों के लिए 1,00,000 से अधिक नौकरियां पैदा करेगी। उन्होंने ट्वीट किया, ''आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा सुरक्षा पैदा करने के वास्ते पोलैंड के साथ हमारे संबंध मजबूत करने की दिशा में यह बड़ा कदम है। हम यूरोप में अपने समकक्षों के साथ स्वच्छ ऊर्जा बदलाव लाने के लिए इस साझेदारी को जारी रखने के उत्सुक हैं।'' ग्रानहोम ने कहा, ''यह घोषणा रूस को स्पष्ट संदेश देती है - हम ऊर्जा को अब हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं करने देंगे। पश्चिमी देश ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने और जलवायु सहयोग को मजबूत करने के लिए बिना उकसावे की इस आक्रामकता के खिलाफ एकजुट रहेंगे।'' यह समझौता परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पहले तीन रिएक्टरों के लिए किया गया है, जो उत्तरी पोलैंड में बनाया जाना है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी तटीय क्षेत्र से दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी: दक्षिण कोरिया

प्योंगयॉंग (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया दुनिया में प्रतिबंध के बाद भी परमाणु परीक्षण जारी रखे है उसने शुक्रवार को समुद्री की ओर दो छोटी दूरी की मिसाइल दागीं हैं। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में कहा कि सेना ने शुक्रवार को दोपहर के आसपास उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय क्षेत्र टोंगचोन से दो मिसाइलें दागें जाने का पता लगाया है। बयान के अनुसार मिसाइलें 239 किलोमीटर दूर गईं। बयान में कहा गया है कि है कि दक्षिण कोरिया इन परीक्षणों की कड़ी निंदा करता है और इन्हें उकसावा करार देता है, जिससे क्षेत्रीय शांति प्रभावित होगी। उसने इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों का भी उल्लंघन करार दिया है, जिनके तहत उत्तर कोरिया पर बैलिस्टिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। बयान में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। अमेरिका की हिंद प्रशांत कमांड ने कहा कि परीक्षण से अमेरिका या इसके सहयोगियों के सामने तत्काल कोई खतरा उत्पन्न नहीं हुआ है। हालांकि उसने उत्तर कोरिया के अवैध परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों के प्रभावों को रेखांकित किया। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि उसने परीक्षणों के बारे में पता लगाया है। मंत्रालय पता लगा रहा है कि किस प्रकार की मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। साथ ही उनकी उड़ान की जानकारी काभी विश्लेषण किया जा रहा है। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में कई मिसाइलों और हथियारों का परीक्षण किया है। ताजा परीक्षण दक्षिण कोरिया के 12 दिवसीय वार्षिक सैन्य अभ्यास 'होगुक' के अंतिम दिन किया गया है। इस साल इस अभ्यास में अमेरिकी सैनिकों ने भी हिस्सा लिया है, जिनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

कांग्रेस में तीसरे कार्यकाल के लिए शी की जीत के बाद चीन ने पुतिन के प्रति पूर्ण समर्थन दोहराया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की अहम बैठक 'कांग्रेस' के बाद रूस के प्रति अपनी रणनीति में बदलाव की संभावना की खबरों को खारिज करते हुए चीन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति अपना दृढ समर्थन दोहराया है। सीपीसी की इसी कांग्रेस ने पांच साल के रिकार्ड तीसरे कार्यकाल को लेकर राष्ट्रपति शी चिनपिंग पर मुहर लगायी थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बृहस्पतिवार को रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव से टेलीफोन पर बातचीत की। वांग सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सबसे प्रभावशाली निकाय 24 सदस्यीय पोलित ब्यूरो के लिए निर्वाचित हुए हैं और वह विदेशी नीति मामलों पर शी के शीर्ष अधिकारी के रूप में उभरकर सामने आये हैं।

वह अगले साल मार्च में अपना नया पदभार ग्रहण करेंगे। पार्टी कांग्रेस के बाद वांग ने रूस को चीन द्वारा निरंतर दिये जा रहे महत्व को प्रमुखता से प्रकट करने के लिए सबसे पहले लावरोव को फोन किया। सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ के अनुसार वांग ने कहा, '' चीन सभी स्तरों पर विनिमय को गहरा बनाने तथा सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध एवं सहयोग को नयी ऊंचाई तक ले जाने को इच्छुक है।''

लावरोव से बातचीत के दौरान वांग ने कहा, '' चीन भविष्य में रूस का दृढतापूर्वक समर्थन करता रहेगा ताकि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में रूसी जनता कठिनाइयों से बाहर आये, सभी बाधाएं दूर करें तथा अपने विकास रणनीति लक्ष्यों को अमलीजामा पहनाएं एवं वैश्विक पटल पर एक ताकत के रूप में रूस के दर्जे को और मजबूत कर पाएं। '' सोमवार को समाप्त हुई कम्युनिस्ट पार्टी की 20 वीं कांग्रेस में शी को पांच साल के कार्यकाल के लिए रविवार को रिकार्ड तीसरी बार 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना' का महासचिव चुना गया।

पार्टी संस्थापक माओ त्से तुंग के बाद वह ऐसे पहले चीनी नेता हैं, जो इस पद पर तीसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। माओ को छोड़कर शी से पहले देश के सभी राष्ट्रपतियों ने लगभग तीन दशक तक 10 साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने के नियम का पालन किया। माओ के बराबर समझे जाने वाले शी के बारे में संभावना है कि वह मृत्युपर्यंत सत्ता में रहेंगे। ऐसी अटकलें थी कि यूक्रेन में अपनी लड़ाई में पुतिन को मिले झटकों के आलोक में शी कांग्रेस के बाद उनके प्रति पूर्ण समर्थन के रूख में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

दरअसल पुतिन ने पिछले महीने समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के मौके पर भेंट के दौरान शी से कहा था कि वह चीन के 'प्रश्नों एवं चिंताओं' को समझते हैं। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर समेत कई चीन विशेषज्ञों का कहना था कि शी नयी हकीकतों के आलोक में पुतिन के पूर्ण समर्थन के रूख में कमी ला सकते हैं।

भारत और गल्फ देशों की नजदीकियों से हो रही है पाक को जलन! मुस्लिम मुल्कों को भी साथ लेकर नहीं चल पा रहा इस्लामाबाद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज जब जीयो पॉलिटिक्स की बात कही जाती है तब सभी देशों को किसी न किसी की 'ओर' कहकर इंगित किया जाता है। जैसे चीन रूस की ओर, और फ्रांस अमेरिका की ओर... जहां यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद एक बार फिर से शीत युद्ध जैसी स्थिति बन गयी हैं। विश्व दो गुटों में बट गया हैं, ऐसे में भारत 'ओर' वाली राजनीति में दिलचस्पी नहीं रखता हैं। भारत की फॉरन पॉलिस अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हैं। भारत के साथ ऐसा कोई नियम नहीं लागू होता है कि अमेरिका से व्यापार करने के बाद भारत अपने रिश्ते चीन से खराब करेगा। भारत चीन से भी व्यापार करेगा और रूस से प्रतिबंधों के बाद तेल भी खरीदेगा, साथ ही साथ अमेरिका के साथ टेक्नोलॉजी भी शेयर करेगा। भारत सभी के साथ अपने रिश्तों को बनाकर चलता है और जरूरी नियमों का पालन भी करता हैं। इरान-भारत के रिश्ते हमेशा से बहुत मधुर होने के बाद भी जब अमेरिका ने परमाणु परीक्षण को लेकर इरान पर प्रतिबंध लगाया तब से भारत ने प्रतिबंधों और विश्व शांति को ध्यान में रखते हुए इरान से तेल खरीदना बंद किया। यह जरूरी था क्योंकि यह मामला विश्व शांति से जुड़ा था। भारत की विदेश नीति को बहुत ही अच्छे ठंग से अतंराष्ट्रीय मंचों से बयां भी कर दिया जाता है। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

'लाजवाब है भारत की फॉरन पॉलिसी', 'मैं इंडिया का बहुत बड़ा फैन हूं' ये लाइनें किसी भारतीय ने नहीं बल्कि विश्व स्तर के नेताओं ने अंतराष्ट्रीय मंच पर बोली हैं। इससे यह साफ है कि भारत विश्व में अपना एक अलग वर्चस्व रखता हैं। भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हाल ही में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की संयुक्त अरब अमीरात के मंत्री आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मंत्री उमर सुल्तान अल ओलमा ने जमकर तारीफ की। उन्होंने जयशंकर की तारीफ करते हुए कहा है कि भू-राजनीतिक रस्साकशी के बीच वो भारत की विदेश नीति को जिस तरह से विश्व मंच पर रखते हैं, उससे वो बेहद प्रभावित हैं। इसके अलावा बांग्लादेश में चीन के राजदूत ली जिमिंग ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि ÷व्यक्तिगत रूप से मैं भारत का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। हम आर्थिक और भू-

राजनीतिक मुद्दों को हल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।÷ इन सभी बातों से एक चीज बहुत साफ तरह से स्पष्ट होती है कि भारत के साथ दुनिया के बड़े-बड़े देश अपने रिश्ते बेहतर करना चाहते हैं, फिर चाहें वह तेल की खादान कहे जाने वाले गल्फ देश हो या फिर चीन, कोई भी भारत संग अपनी दोस्ती खराब नहीं करना चाहता हैं। भारत का कद जिस तरह से दिन-ब-दिन विश्व में बढ़ रहा है इससे सबसे ज्यादा खतरा पाकिस्तान को हो रहा हैं।

सार समाचार

फिर दुर्घटनाग्रस्त हुई गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस, मवेशी से टकराने के कारण अगला हिस्सा टूटा

नई दिल्ली। गांधीनगर और मुंबई सेंट्रल के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस से एक बार फिर से हादसे का शिकार हो गई है। यह हादसा वलसाड के अतुल रेलवे स्टेशन के पास हुई है। बताया जा रहा है कि वंदे भारत एक्सप्रेस के सामने एक गाय आ गई। गाय से टकराने के बाद ट्रेन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। इतना ही नहीं, ट्रेन में पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार से आ रही बंदे भारत एक्सप्रेस के सामने अचानक एक गाय आ गई। गाय से टक्कर खाने के बाद वंदे भारत का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना तब की है जब वंदे भारत एक्सप्रेस वलसाड के अतुल रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी। उस वक्त सुबह के करीब 8:17 हुए थे। घटना के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग 26 मिनट तक वहां रुकी रही। इसके बाद 8:45 पर उसे रवाना किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस का कपलर कवर और बीसीयू कवर डैमेज हो गया है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब वंदे भारत एक्सप्रेस मवेशी से टकराई है और उसे नुकसान हुआ है। इससे पहले भी मवेशियों से टकराने के कारण वंदे भारत एक्सप्रेस क्षतिग्रस्त हुई थी। गांधीनगर-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस अब तक दो बार पशुओं के झुंड से टकरा चुकी है। आज यह तीसरी घटना है। भारतीय रेलवे के मुताबिक मुंबई सेंट्रल डिवीजन के अतुल के पास आज सुबह 8.17 बजे वंदे भारत ट्रेन गुजरने के साथ मवेशी से टकराने की घटना हुई। भारतीय रेलवे ने बताया कि ट्रेन मुंबई सेंट्रल से गांधीनगर की यात्रा पर थी। घटना के बाद ट्रेन को करीब 15 मिनट तक रोके रखा गया। उन्होंने कहा कि ट्रेन को कोई नुकसान नहीं हुआ है, सिवाय फ्रंट कोच वाली ड्राइवर कोच के नोज कोन कवर पर नुकसान के। ट्रेन सुचारू रूप से चल रही है। इस पर जल्द से जल्द सुधार दिया जाएगा।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में उत्तर-पूर्वी मॉनसून ने दस्तक दी : आईएमडी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बहुप्रतिक्षित उत्तर-पूर्वी मानसून ने शनिवार को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में दस्तक दे दी है। तमिलनाडु में ज्यादातर बारिश उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान होती है, जो अक्टूबर से दिसंबर तक रहता है। आईएमडी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'आज 29 अक्टूबर 2022 को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा आंध्र प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में उत्तर-पूर्वी मानसून की बारिश शुरू हो गई।' मौसम कार्यालय ने दो नवंबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में विभिन्न स्तरों की बारिश होने का अनुमान जताया है। तमिलनाडु में हर साल औसतम 914 मिलीमीटर बारिश होती है, जिसमें से लगभग 48 प्रतिशत बारिश उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान दर्ज की जाती है।

बीमारियों के बढ़ते ग्राफ से चिंतित जमशेदपुर सहित देशभर के चिकित्सक राष्ट्रपति मुर्मु से मिले

जमशेदपुर। देश में लगातार बढ़ती बीमारियों के ग्राफ को लेकर देशभर के चिकित्सकों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। सबसे पहले सीसीडीएसआई (क्लिनिकल कार्डियो-डायबिटीज सोसाइटी आफ इंडिया) चिकित्सकों ने राष्ट्रपति को बधाई दी। इसके बाद उन्हें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, डिस्लिपिडेमिया और हृदय रोगों जैसे जीवन-शैली से होने वाली रोगों की रोकथाम के लिए अपने मिशन और प्रयासों से अवगत कराया। जमशेदपुर के डा. अनिल कुमार विरमानी ने बताया कि कम उम्र में मधुमेह होना चिंता का विषय है। इसे लेकर विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। खासकर स्कूल व ग्रामीण क्षेत्रों में जांच अभियान चलाकर ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जाए। ताकि हमारा देश स्वस्थ रहें और एक नई मुकाम हासिल कर सकें। इस अवसर पर प्रो. डा. एएन राय (सीसीडीएसआई, गया के संस्थापक अध्यक्ष), डा. जयंत पांडा (सीसीडीएसआई, कटक के अध्यक्ष), डा. अनिल कुमार विरमानी (निर्वाचित अध्यक्ष सीसीडीएसआई, जमशेदपुर), डा. मृत्युंजय सिंह (सचिव, सीसीडीएसआई, गया, डा. अभिषेक कुमार (संयुक्त सचिव सीसीडीएसआई, पटना) और डा. निहारिका (कार्यकारी सदस्य सीसीडीएसआई, पटना) शामिल थे। जमशेदपुर में डेंगू, स्वाइन फ्लू व जापानी इंसेफ्लाइटिस (जेई) के मरीज बढ़ने लगे। शुक्रवार को कुल 11 संदिग्ध मरीज मिले। इसमें डेंगू के पांच, स्वाइन फ्लू के चार व जेई के दो संदिग्ध मरीज शामिल हैं। इन मरीजों का इलाज टिनप्लेट, रेलवे अस्पताल व टीएमएच में चल रहा है। मरीजों की उम्र चार, 13, 32, 41, 50 सहित अन्य है। ये मरीज कदमा, घाटशिला, आदित्यपुर, बिरसानगर, बारीडीह सहित अन्य क्षेत्रों के रहने वाले हैं। जिला सर्विलांस विभाग ने सभी पीड़ितों का नमूना लेकर जांच के लिए एमजीएम कालेज भेजा है। मालूम हो कि दो दिन पूर्व भी बागबेड़ा बड़ौदा घाट क्षेत्र में डेंगू के पांच मरीज मिले थे।

इंडिगो विमान के इंजन में आग लगने की घटना की जांच के बाद डीजीसीए करेगा कार्रवाई

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि वह दिल्ली हवाई अड्डे पर इंडिगो के विमान के इंजन में आग लगने की घटना की विस्तृत जांच कराएगा और इसके बाद उचित कार्रवाई करेगा। ज्ञात हो कि दिल्ली से शुक्रवार रात बेंगलुरू की उड़ान भरने की तैयारी कर रहे इंडिगो के एक विमान के एक इंजन में अचानक आग लग गई थी। बेंगलुरु जाने वाला ए320 विमान, बाद में पार्किंग बे में लौट आया और उसमें सवार 184 लोगों को सुरक्षित उतार लिया गया। डीजीसीए प्रमुख अरुण कुमार ने कहा हमारी प्राथमिकता घटना की विस्तारपूर्वक जांच करने और इंजन में आग लगने की वजहों का पता लगाने की है। खुशकिस्मती यह रही कि आग को तुरंत बुझा दिया गया। इस विमान खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिस इंजन में आग लगी थी, वह आईएईवी2500 था। इसे आईएई इंटरनेशनल एरो इंजन्स एजी ने बनाया था। उन्होंने बताया कि डीजीसीए यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच करेगा कि क्या पहले भी इन इंजनों से जुड़ी कोई घटना हुई है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी नागरिक को बीएसएफ ने मार गिराया

गंगानगर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने शुक्रवार रात भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को मार गिराया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गंगानगर के पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि घटना शुक्रवार रात जिले के सीमावर्ती अनूपगढ़ सेक्टर में हुई, जहां बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को तारबंदी के पास भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते देख आगाह किया। शर्मा के मुताबिक, पाकिस्तानी नागरिक के न रुकने पर जवानों ने गोलीबारी की, जिसमें उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अनूपगढ़ थाने में एक मामला दर्ज कर शव को मुर्दाघर में रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक के पास से कोई भी सामान नहीं मिला है और उसकी शिनाख्त भी नहीं हो सकी है। घटना की जानकारी मिलने पर बीएसएफ के आला अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

सीआरपीएफ की पहल, वाराणसी जिले में अभी तक 75,000 से अधिक पौधे लगाए

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद की सुरक्षा में लगी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने क्षेत्र को हरा-भरा करने की कोशिशों के तहत अभी तक 75,000 से अधिक पौधे लगाए हैं। वाराणसी स्थित सीआरपीएफ की 95वीं बटालियन के कमांडेंट अनिल कुमार बृक्ष बताते हैं, हमारे जवान विभिन्न सामाजिक संगठनों और सरकारी विभागों के सहयोग से मंदिर, शहर के पार्कों, मठों, संस्थानों और स्कूलों में वृक्षारोपण का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी में अर्धसैनिक बल के जवानों द्वारा 2019 में पौधारोपण का कार्य शुरू किया गया था और यह अभी भी जारी है। कमांडेंट ने कहा कि अब तक जिले में करीब 75,000 पौधे रोपे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के जवान पौधारोपण के साथ-साथ आम जनता को पर्यावरण की रक्षा करने और उस बढ़ावा देने की शपथ भी दिलाते हैं। बृक्ष ने कहा, 'समाज को जागरूक किए बिना पर्यावरण को संरक्षित नहीं किया जा सकता। मुख्य रूप से देश की युवा पीढ़ी और बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करना जरूरी है। हमें देश के बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की आदत डालनी होगी। उन्हें पर्यावरण के महत्व के बारे में बताना होगा, तभी आने वाली हर पीढ़ी अपने दायित्वों को समझ पाएगी।''

भ्रष्टाचार पर चर्चा न हो, इसलिए सीएम केजरीवाल ने उठाया नोटों पर लक्ष्मी-गणेश का मुद्दा: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। अरविंद केजरीवाल ने हाल में ही में नोटों पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो की मांग की थी। इस पर अनुराग ठाकुर ने केजरीवाल पर निशाना साधा है। अनुराग ठाकुर ने कहा राम मंदिर का विरोध करने वालों, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वालों को भ्रष्टाचार के मामले में अपने एक मंत्री को बर्खास्त करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल अराजकता के प्रतीक हैं। वह नए प्रचार को हवा दी है ताकि लोग भ्रष्टाचार पर चर्चा न करें।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि सीएम केजरीवाल दिल्ली में मुस्लिम मौलवियों को सालाना 18,000 रुपए देते हैं। क्या पुजारियों, गुरुद्वारा ग्रंथियों और पादरियों का भी अधिकार नहीं बनता कि वे 18,000 रुपए पाएं, उन्होंने सीएम केजरीवाल से सवाल किया कि आप ने उन्हें यह सुविधा क्यों नहीं दी?

उन्होंने कहा हमने मुद्रास्फीति को काबू में किया और ईंधन की कीमतों में कमी की। भाजपा शासित राज्यों में कीमतों में कमी आई, लेकिन कांग्रेस शासित राज्यों में कीमतें कम नहीं हुईं। कांग्रेस ने किसानों की कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन उन्होंने पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में ऐसा नहीं किया। हिमाचल चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में जब टिकट का आवंटन होता है, तो सबकी इच्छा होती है कि चुनाव लड़ें, लेकिन सबको टिकट नहीं मिल पाता है। भाजपा नेता ने कहा कि कई बार पार्टी में कुछ ऐसे वरिष्ठ नेता होते हैं, जो निर्दलीय चुनाव लड़ना चाहते हैं, ऐसे लोगों को पार्टी मनाने का प्रयास कर रही है।

राम रहीम की पैरोल पर खड़े हुए सवाल, वकील ने पैरोल रदद करने की मांग की

रोहतक (एजेंसी)।

डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को पैरोल का मामला फिर सुर्खिया में आ गया है। दरअसल पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट एचसी अरोड़ा ने हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी को नोटिस भेजा है। उन्होंने नोटिस में राम रहीम की पैरोल तत्काल रदद करने की मांग की है। चंडीगढ़ के वकील अरोड़ा ने हरियाणा के मुख्य सचिव को भेजे नोटिस में कहा है कि राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण और हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया है। हरियाणा सरकार ने उन्हें 40 दिन की पैरोल दी, जिसके दौरान वह यूपी के बागपत में रहकर सत्संग कर रहा है। एडवोकेट ने राम रहीम के ऑनलाइन सत्संग पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी दलों के नेता राम रहीम से आशीर्वाद ले रहे हैं। इससे पंचायत चुनाव और आदमपुर उपचुनाव की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल का कहना है कि गुरमीत राम रहीम एक बलात्कारी और हत्यारा है। कोर्ट ने राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हम देखते हैं कि हरियाणा सरकार का जब भी मन करता है, वह राम रहीम को पैरोल पर छोड़ देती है और इस बार, तब वह पैरोल पर बाहर आकर अलग-अलग जगहों पर सतसंग कर रहा है। इस इन सत्संगों में हरियाणा सरकार के मंत्री भी हिस्सा ले रहे हैं। मालीवाल ने कहा था कि,कोर्ट ने रहीम को रेप और हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा दी है। क्यों इसतरह के खतरनाक शख्स को बार बार पैरोल दी जा रही है? वहां पैरोल में प्रवचन और गाने बनाता है और हरियाणा सरकार के कुछ नेता ताली बजाते हैं, 'भक्ति' में लीन है!

एकनाथ शिंदे पर फिर बरसे आदित्य ठाकरे, कहा- निवेश को लेकर हमारे सीएम कहीं जाते ही नहीं

हैदराबाद (एजेंसी)।

महाराष्ट्र से टाटा-एअरबस परियोजना के गुजरात में शिफ्ट हो जाने के बाद से वहां की राजनीति गर्म है। विपक्ष जबरदस्त तरीके से एकनाथ शिंदे और उनकी सरकार पर निशाना साध रहा है। इन सबके बीच आदित्य ठाकरे ने आज फिर से एकनाथ शिंदे पर बड़ा आरोप लगा दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राज्य में निवेश को लेकर हमारे सीएम गंभीर नहीं है और वह कहीं जाते भी नहीं हैं। अपने बयान में आदित्य ठाकरे ने कहा कि अंतर्राज्यीय निवेश संबंधों को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत महाराष्ट्र आते हैं लेकिन हमारे असंवैधानिक सीएम कहीं नहीं जाते हैं। इसके साथ ही आदित्य ठाकरे ने उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर इस वक्त मैं डिप्टी सीएम होता तो इस्तीफा दे देता और नए सिरे से चुनाव का विकल्प चुनता क्योंकि उनकी भी छवि खराब हो रही है। उसके साथ ही साथ आदित्य ठाकरे ने उदय सामंत पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री ने मीडिया से कहा कि वे टाटा-एअरबस परियोजना को राज्य में लेने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन वे असफल रहे। अब मैं मुख्यमंत्री से उद्योग मंत्री का इस्तीफा स्वीकार करने के लिए कहना चाहता हूं। इससे पहले ठाकरे ने शिंदे पर निशाना साधते हुए उनकी सरकार को पूरी तरीके से फेल बताया था। अपने बयान में आदित्य ठाकरे ने कहा था कि यह चौथी बड़ी परियोजना है जो इस सरकार के आने के बाद महाराष्ट्र से बाहर हो गई।

इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार का इंजन फेल है, भले ही केंद्र अच्छा कर रहा हो, राज्य सरकार विफल रही है। एक बार भी मैंने सीएम से नहीं सुना कि टाटा-एयरबस परियोजना महाराष्ट्र में आएगी। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूरोपीय कंपनी एयरबस और भारतीय समूह टाटा का एक कंसोर्टियम (संघ) गुजरात के वडोदरा में भारतीय वायु सेना के लिए सी-295 परिवहन विमान का निर्माण करेगा। इस परियोजना के तहत पहली बार निजी कंपनी द्वारा सैन्य विमान का निर्माण भारत में किया जाना है। परियोजना की कुल लागत 21,935 करोड़ रुपये है। विमान का इस्तेमाल नागरिक उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है।

धर्म परिवर्तन के मामले में तीन महिलाओं समेत नौ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, जांच जारी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में धर्म परिवर्तन के आरोपों के बाद नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करके जांच के आदेश दिए गए हैं। यह जानकारी पुलिस ने यहां शनिवार को दी। मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी)रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि धर्म परिवर्तन को लेकर पुलिस को शिकायत मिली थी, जिसकी जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी ब्रह्मपुरी को दी गई थी। सजवाण ने बताया कि उनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर थाना ब्रह्मपुरी में तीन महिलाओं समेत नौ लोगों को नामजद करते हुए मामला दर्ज कराया गया और फिलहाल जांच जारी है। शिकायत मंगतपुरम बस्ती के कुछ व्यक्तियों द्वारा दी गई थी। पुलिस ने बताया कि शिकायकर्ताओं के अनुसार कुछ लोगों ने क्षेत्र में रहने वाले गरीबों को कोरोना काल के दौरान कुछ वित्तीय सहायत दी थी। पुलिस ने बताया कि शिकायकर्ताओं के अनुसार इसके बाद आरोपियों ने इन लोगों पर धर्म अपनाने का दबाव डाला। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ताओं के अनुसार, ''आरोपियों द्वारा मंगतपुरम कालोनी के लोगों के घरों से हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीर भी बाहर फेंकी जा रही है। विरोध करने पर अथवा घटना की शिकायत किसी अधिकारी से करने पर आरोपी चाकू-डन्डे लेकर घर आकर जान से मारने की धमकी देते हैं।'' हालांकि तहरीर में इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि कुल कितने लोंगो का धर्म परिवर्तन कराया गया है। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता दीपक शर्मा का कहना है कि मंगतपुरम बस्ती में रहने वाले 100 से ज्यादा लोगों का धर्म परिवर्तन कराया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह काम पिछले तीन साल से चल रहा है। कोरोना काल में बस्ती के लोगों को राशन और पैसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए तैयार किया गया था। अब बाकी लोगों पर भी दबाव बनाया जा रहा है और धमकी दी जा रही है।''

गुजरात में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा चार नवंबर को करेंगे: केजरीवाल

सूरत (गुजरात)।(एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए राज्य के लोगों द्वारा दी गई राय के आधार पर मुख्यमंत्री पद के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा चार नवंबर को करेगी। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में लोगों से एसएमएस, व्हाट्सएप, वॉयस मेल और ई-मेल के जरिये इस पर अपनी राय देने का अनुरोध किया कि पार्टी का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार किसे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात में बदलाव का माहौल है और लोगों को लगता है कि 'आप' राज्य में सरकार बनाने जा रही है।

केजरीवाल ने कहा, ''आज मैं गुजरात के लोगों से पूछना चाहता हूं कि वे गुजरात के अगले मुख्यमंत्री के रूप में किसे देखना चाहते हैं। जनता की राय जानने के लिए हम एक नंबर 6357000 जारी कर रहे हैं। आप एसएमएस, व्हाट्सएप संदेश और वॉयस मेल भी भेज सकते हैं। हम ईमेल आईडी 'आप एनओसीएम एट जीमेल डॉट कॉम' भी जारी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि लोग एसएमएम, व्हाट्सएप, वॉयस मेल या ई-मेल के जरिये तीन नवंबर को शाम पांच बजे तक अपनी राय भेज सकते हैं। केजरीवाल ने कहा, ''हम मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा चार नवंबर को करेंगे।'' उन्होंने विजय रुपाणी को हटाकर भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाने के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि राज्य के लोगों से पूछे बिना यह किया गया। केजरीवाल ने कहा कि रुपाणी को पद से हटाकर भाजपा ने यह मान लिया है कि कुछ गलत था और उनमें कमियां थीं।

'छात्र जब सड़क पर आएँगे तब उनपर 'उपद्रवी' होने का आरोप लगेगा', वरुण गांधी का अपनी ही सरकार पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

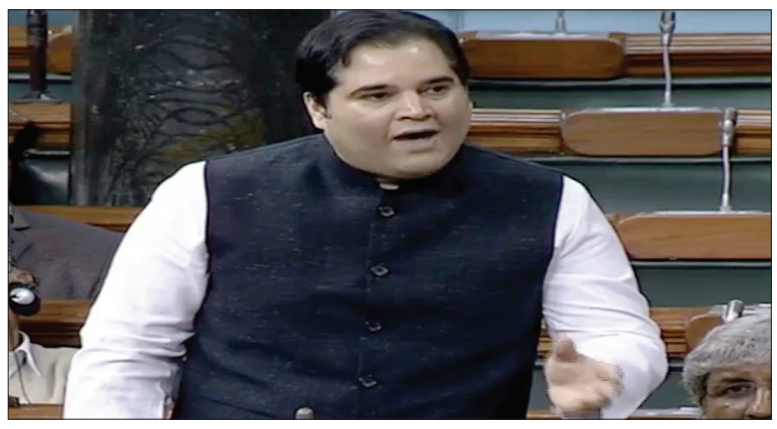

पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी लगातार अपनी ही सरकार से सवाल पूछते रहते है। वह कई बार नौकरी और महंगाई को लेकर सरकार से सवाल पूछते रहते हैं। एक बार फिर से वरुण गांधी ने उत्तर प्रदेश की सरकार पर निशाना साधा है और युवाओं की आवाज को उठाने की कोशिश की है। वरुण गांधी ने कहा कि 4 साल से यूपी पुलिस की भर्ती का इंतजार कर रहे लाखों छात्र ओवर-एज हो चुके। ना भर्ती मिली, ना कोई उम्मीद। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वह लगातार अपनी आवाज उठा रहे हैं पर सुनवाई नहीं है। यही छात्र जब सड़क पर आएँगे तब उनपर 'उपद्रवी' होने का आरोप लगेगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह अन्याय नहीं है?

पीलीभीत से लोकसभा सांसद वरुण उत्तर प्रदेश और केंद्र में कई मुद्दों को लेकर भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बाढ़ को लेकर ट्वीट कर कहा था कि यूपी बाढ़ की चपेट में हैं और 37 लाख से अधिक छात्र [illegible] की परीक्षा देने निकले हैं। उन्होंने कहा था कि प्रश्नपत्र हल करने से बड़ी चुनौती सेंटर तक पहुँचना है। छात्रों की निरंतर माँग के बाद भी ना परीक्षा टाली गयी ना यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए। शायद 'हवाई निरीक्षण' से 'जमीनी मुद्दे' नहीं दिखते। उन्होंने कहा था कि [illegible] के लाखों अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र उनके गृह जनपद से सैकड़ों किलोमीटर दूर रखा गया है। यह निर्णय एक-एक रुपया जोड़ कर चलने वाले सामान्य परिवार के छात्रों पर डाला गया अनावश्यक बोझ है। मेरा यूपी सरकार से विनम्र निवेदन है कि इन सभी छात्रों के लिए मुफ्त विशेष बसें चलाई जाएँ। उन्होंने यह भी लिखा कि हर वर्ष कई इलाके बाढ़ की चपेट में आते हैं, हर वर्ष कुछ घर, कुछ सपने और कुछ परिवार टूट जाते हैं। यह तबाही आएगी, हम पहले दिन से जानते हैं, कहाँ आएगी यह भी जानते हैं,फिर भी हम अंत तक सोए क्यों हुए रहते हैं? आखिर कब बाढ़ग्रस्त इलाकों में रहने वालों की समस्या हमारी प्राथमिकता बनेगी?

गुजरात सरकार का बड़ा फैसला, चुनाव से ठीक पहले समान नागरिक संहिता को लेकर बनेगी कमेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर बड़ा फैसला लिया है। गुजरात सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर कमेटी बनाने का फैसला लिया है। आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस पर मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही गुजरात चुनाव में भाजपा ने बड़ा दांव खेला है। आज सुबह से ही सूत्रों के हवाले से खबर मिल रही थी कि गुजरात में चुनाव से ठीक पहले भाजपा समान नागरिक संहिता को लेकर बड़ा दांव चल सकती है और ऐसा हो गया है। कैबिनेट में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर प्रस्ताव पास किया गया है। गुजरात में चुनाव से ठीक पहले भाजपा का यह अपने आप में बड़ा कदम है।

चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने उत्तराखंड में भी यूनिफॉर्म सिविल कोड वाला दांव खेला था जिसका नतीजा भी उसके पक्ष में आया। उत्तराखंड में भाजपा ने चुनावी जीत हासिल की। इसके बाद एक कमेटी का गठन किया गया था। ठीक ऐसा ही कमेटी अब गुजरात में भी देखने को मिल सकता है। माना जा रहा है कि इस कमेटी का अध्यक्ष हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज हो सकते हैं। गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल ने ट्वीट कर कहा कि राज्य में एक समान नागरिक संहिता की आवश्यकता की जांच करने और इस कोड के लिए एक मसौदा तैयार करने के लिए एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट / एचसी न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाने के लिए राज्य कैबिनेट की बैठक में आज एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सीएम भूपेंद्र पटेल ने आज कैबिनेट बैठक में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए एक समिति बनाई जाएगी।

आपको बता दें कि गुजरात में हमेशा से भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को आगे रखती रही है। इस बार गुजरात चुनाव में भी भाजपा एक बार फिर से हिंदुत्व के मुद्दे को आगे लाने जा रही है। इसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड का मुद्दा काफी बड़ा हो सकता है। 1989 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठाया था। इसके बाद से पार्टी लगातार हर चुनाव में इस मुद्दे को अपना एजेंडा बनाती रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव की घोषणा पत्र में भी भाजपा ने समान नागरिक संहिता को शामिल किया था। भाजपा ने साफ तौर पर कहना है कि जब तक इसे अपनाया नहीं जाता, तब तक लैंगिक समानता समाज में नहीं आ सकती। यूनिफॉर्म सिविल कोड का मतलब है कि सबके लिए एक तरह का कानून होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन स्टेशन रोड के पास एक अनाज गोदाम से अनाज चोरी घटना

सचीन सरकारी अनाज गोदाम में से गरीबों के हक्क का अनाज मीलों में चोरी से बेचने का सिलसिला जारी.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दीपावली की छुट्टी की स्थिति को देखते हुए सरकारी अनाज गोदाम से एक-दो नहीं बल्कि करीब 10 हजार से अधिक गेहूं-चावल कट्टा चोरी का मामला सामने आया है. घटना के बाद से गोदाम प्रबंधक प्रीति चौधरी गायब हो गई और उसने अपना फोन भी बंद कर लिया। जैसा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर गरीबों से अनाज चोरी करने का आरोप लगाया गया था, सिस्टम को सौदा सील करना पड़ा।

सरकारी अनाज का गोदाम चोरयासी तालुका के सचिन बाजार के पास स्थित है। यहां से गरीबों के लिए विभिन्न सरकारी राशन की दुकानों पर खाद्यान्न पहुंचाया जाता है। फिलहाल प्रीति चौधरी इस गोदाम की मैनेजर के तौर पर अपनी ड्यूटी निभा रही हैं। दीपावली के दूसरे दिन की सुबह सचिन बाजार क्षेत्र में बड़ा हंगामा देखा गया, जिससे स्थानीय नेताओं में संदेह पैदा हो गया. जब किसी के ध्यान में आया कि एक के बाद एक 6 ट्रक बिना सरकारी बोर्ड के निकल रहे हैं तो किसी ने इस क्षेत्र में आप के नेता राजकुमार सिंह और समाज सेवक शेखावत को सूचना दी.

सूचना पर कार्रवाई करते हुए स्थानीय पुलिस भी हरकत में आई और ट्रक को सचिन बाजार से मुख्य सड़क पर पहुंचने से पहले ही रोक दिया. पूरे ऑपरेशन को एक स्थानीय राजनीतिक नेता और पत्रकार महासंघ-सचिन द्वारा सतह पर लाया गया था। सचिन थाना पी.आई.आर.आर. देसाई पूरे जोरों पर थे और एसीपी आरएल मवानी को भी घटना की सूचना दी गई और दोनों अधिकारियों ने अपराध दर्ज करने के पूरे प्रयास शुरू कर दिए.हालाँकि, पुलिस के हाथ कानूनी रूप से बंधे हुए थे क्योंकि यह पता चला कि पूरा मामला आपूर्ति विभाग का है और मालिक द्वारा शिकायत दर्ज करने पर ही अपराध दर्ज किया जा सकता है। यह सच है कि चौरासी के उप मामलातदार आए, लेकिन दोपहर 12.30 बजे घटना के बाद भी उन्होंने शाम 6.30 बजे तक कोई कार्रवाई नहीं की, मानो किसी का दबाव हो. उधर, गोदाम की महिला प्रबंधक ने भी अपना फोन बंद कर दिया और चौंक गई। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जैसे ही गोदाम की घेराबंदी की, मामलातदार को सीलिंग की प्रक्रिया को अंजाम देना पड़ा.

सूत्रों ने कहा कि अगले दिन मामलातदार और डीएसओ ने फिर गोदाम का दौरा किया और विधिसर की जांच की गई। इस पूरे चैप्टर में अरविंद राजपूत, मैनेजर प्रीति चौधरी और अंकुर पटेल के नामों की खूब चर्चा हुई। अब देखना यह होगा कि इन सभी सामी विरोधी चुनावों के खिलाफ व्यवस्था क्या कदम उठाती है और क्या उन्हें इस बात का सटीक लेखा-जोखा मिलता है कि अतीत में भी गरीबों का अनाज कहां और किस हद तक तस्करी किया गया है।

केजरीवाल का एक और वादा,

गुजरातियों को अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन कराएंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,पंजाब में रिकार्ड जीत से उत्साहित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पूरा ध्यान अब गुजरात चुनाव पर केन्द्रित है। पिछले कई महीनों से गुजरात दौरा कर रहे अरविंद केजरीवाल बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं को सम्मान राशि, बेरोजगारों को भत्ता समेत कई वादे कर चुके हैं। शुक्रवार से गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर आए अरविंद केजरीवाल ने आज एक और वादा किया है। दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले के चीखली में जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि अगले साल तक अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन गुजरातियों के पास पैसे नहीं हैं उन्हें वह राम लला के मुफ्त दर्शन कराएंगे। साथ ही 1 मार्च के बाद किसी को बिजली का बिल का भुगतान भी नहीं करना पड़ेगा। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में झाड़ू की गजब की बयार चल रही है, जहां कहीं भी जाओ बस एक ही आवाज है परिवर्तन, परिवर्तन और परिवर्तन। इतना ही नहीं केन्द्रीय खुफिया एजंसी की रिपोर्ट भी कह रही है कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि आप को गुजरात में 90 से 93 सीटें मिल सकती हैं, जो थोड़ी कम हैं। अभी लोगों को थोड़ी और मेहनत करके ऐसा धक्का मारना पड़ेगा कि आप को 182 सीटों में से 150 सीटें मिलें। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में आप की सरकार बनने के बाद सबसे पहले भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। गुजरात में हमारी सरकार बनने पर कोई मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक चोरी नहीं कर पाएगा और अगर कोई ऐसा करता है तो सीधे जेल जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब में स्वास्थ्य मंत्री गड़बड़ी कर रहे थे तो मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उन्हें जेल भेज दिया। गुजरात में आप की सरकार बनने के बाद जिस किसी ने रूपए खाएं उनके पेट से निकालेंगे। केजरीवाल ने दावा किया कि 15 दिसंबर को आप की सरकार बनेगी और सबसे भ्रष्टाचार को खत्म करेगी। उन्होंने कहा कि मैं इंजीनियर हूं और मुझे गुंडागिरी करना नहीं आता। गुजरात से वादा है कि आप की सरकार बनने पर राज्य के लोगों को बिजली, सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य सेवा बेहतर देंगे। भाजपा और कांग्रेस ने अपनी दुकानें खोली हैं। जबकि मैंने दुकान नहीं बल्कि गुजरात के लोगों के साथ संबंध बनाए हैं। बता दें कि नवसारी गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का होम टाउन है, जहां से वे लगातार लोकसभा चुनाव जीतते आ रहे हैं।

सीआर पाटील के होम टाउन पहुंचने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का जबर्दस्त विरोध का सामना करना पड़ा। चीखली के खुडवेल, गोलवाड समेत अन्य क्षेत्रों में केजरीवाल और मान को स्थानीय लोगों ने काले झंडे दिखाए और 'मोदी मोदी' के नारे भी लगाए।

पांच वाहनों के बीच हुई दुर्घटना में 2 लोगों की मौत और दो गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच,भरूच के नबीपुर निकट पांच वाहनों के बीच हुई दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 2 लोग घायल हो गए। दुर्घटना में मारे गए दो लोग एक ही परिवार के हैं। जानकारी के मुताबिक नेशनल हाईवे 48 पर वडोदरा से सूरत जाने के रूट पर नबीपुर के निकट शनिवार की सुबह कंटेनर, 2 प्राइवेट बस, एक सरकारी बस और एक मारुति वैन एक-दूसरे से टकरा गए। इस हादसे में वैन के परखच्चे उड़ गए और उसें सवार तीन लोगों की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वैन में सवार सभी लोग एक परिवार के थे। जिसमें हर्षद मगनभाई माछी और अशोक सोमाभाई समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि भावेश मोहनभाई माछी और शैलेष चंदूभाई माछी को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल केजरीवाल का एक और वादा, गुजरातियों को अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन कराएंगे

वंदे भारत ट्रेन के साथ फिर एक बार हादसा, वलसाड के निकट आवारा पशु टकराया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वलसाड,गांधीनगर कैपिटल और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत हाईस्पीड ट्रेन के साथ फिर एक बार हादसा हुआ है। वलसाड के निकट आवारा पशु ट्रेन के साथ टकरा गया। इस घटना में ट्रेन के अगले हिस्से को नुकसान हुआ है। हांलाकि दुर्घटना के बाद ट्रेन रिस्टोर कर रवाना कर दी गई। ट्रेन से टकराने वाले पशु के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया जा सकता है। इससे पहले भी अहमदाबाद में निकट इसी प्रकार दुर्घटना हुई थी। गत 6 अक्टूबर को गांधीनगर से मुंबई के रवाना हुई वंदे भारत ट्रेन से एक भैंस टकरा गई थी। अहमदाबाद के मणिनगर और वटवा के बीच हुए इस मामले में आरपीएफए ने रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 147 के तहत भैंस के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस घटना के दूसरे ही दिन 7 अक्टूबर को आणंद स्टेशन के निकट एक गाय वंदे भारत ट्रेन से टकरा गई थी। राहत की बात यह है कि अब तक हुई तीनों दुर्घटनाओं में किसी प्रकार की जानहानि नहीं हुई। केवल ट्रेन के अगले हिस्से को नुकसान हुआ था। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 30 सितंबर को गांधीनगर कैपिटल से मुंबई के बीच तीसरी वंदे भारत ट्रेन सेवा का उदघाटन किया था। गांधीनगर कैपिटल-मुंबई के बीच पहली वंदे भारत ट्रेन में पीएम मोदी ने अहमदाबाद तक यात्रा भी की थी।

ईडी और आयकर विभाग के खौफ की वजह से भाजपा को मिल रहा चुनावी चंदे का 95 फीसदी हिस्सा : गहलोत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग के डर की वजह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावी चंदे का 95 प्रतिशत हिस्सा मिल रहा है। सत्ताख्ढ़ भाजपा के डर की वजह से दानदाता अन्य दलों को चंदा नहीं दे रहे हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान में हिस्सा लेने सूरत आए गहलोत ने संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप लगाया। सीएम गहलोत ने भाजपा पर कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को चंदा देने की इच्छा रखने वाले उद्योगपतियों और कॉरपोरेट घरानों को 'धमकाने' का आरोप लगाया। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने खिलाफ किसी भी नकारात्मक खबर को दबाने के लिए धन खर्च करते हैं। सीएम गहलोत ने कहा अगर अन्य पार्टियों को दान दिया जाता है तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग चंदा देने वालों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में चंदे पर भी एक ही पार्टी का कब्जा है। उन्होंने करोड़ों रूपये जमा कर रखे हैं,

जिसका इस्तेमाल वे देशभर में पांच सितारा पार्टी कार्यालय बनाने में करते हैं। सीएम गहलोत ने कहा चुनावी बांड की शुरूआत के बाद कुल दान का 95 प्रतिशत भाजपा को जा रहा है।